कक्षा – सातवीं
विषय – हिन्दी
वरदान (कविता)
कवि – रविंद्रनाथ ठाकुर

शिक्षण उद्देश्यः–

1. कविता पढ़ाने से पहले छात्रों को कविता के मूल–भाव से परिचित कराना।
2. छात्रों को बताना कि बिना मेहनत के ईश्वर से धन, ऐश्वर्य तथा विद्या प्राप्तिकी आकांक्षा नहीं रखनी चाहिए।
3. मुसीबतों से न डरने का वरदान माँगने की शिक्षा प्रदान करना।
4. छात्रों को अच्दे कर्म करते रहने की प्रेरणा देना।
5. छात्रों को मुसीबतों का सामना करने की प्रेरणा देना।

पूर्व ज्ञान परीक्षाः

1. आप ईश्वर से अपने लिए क्या माँगते हैं?
2. क्या आप ईश्वर से कोई वरदान चाहते हैं?
3. क्या आप भाग्य पर विश्वास रखतें हैं? यदि हाँ तो क्यों? यदि नही ंतो क्यों?
4. हमारा राष्ट्रीय गान 'जन–मन–गन' किनकी कृति है?

शब्दावलीः

पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, वर्ण–विच्छेद, र्स्वनाम, कठिन शब्दों के अर्थ –
सांत्वना–तसल्ली, याचना–माँगना, शंकित–शंकायुक्त

वर्तनीः

विपरीत, सांत्वना, भिक्षा, आर्शीवाद, अनिष्ट, प्रतारणा, नतमस्तक, अंकित

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंगः

दृश्य–श्रव्य साधन, वाद–विवाद, कविता का गायन, रविंद्रनाथ ठाकुर की अन्य रचनाएँ

कार्य प्रणालीः

प्रकृति के उपासक गुरूदेव रविंद्रनाथ ठाकुर जी की इस कविता को लय के साथ गाएँगे। गायन के समय कठिन शब्दों के अर्थ उनका शुद्ध–उच्चारण तथा रनके अर्थ समझाए जाएंगे। छात्रों को निरंतर अपना कर्म करने की प्रेरणा दी जाएगी। छात्रों को वर्ण–विच्छेद करना सिखाया जाएगा। छात्रों को

विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्दों का ज्ञान करवाया जाएगा। छात्रों को कविता का मूल भाव भी समझाया जाएगा। प्रस्तुत कविता में स्वतंत्रतापूर्वक हर परिस्थिति में उठकर निरंतर संघर्ष करते रहने का संदेश दिया जाएगा। कक्षा में हर पंक्ति की व्याख्या करवाई जाएगी।

छात्र सहभागिता:

स्मूह गायन के दौरान छात्र कविता में आए कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण, अर्थों को समझााने का प्रयास करेंगे। कविता में व्याख्या बच्चों से सुनी जाएगी। छात्र कुछ प्रश्न पुछ सकते हैं। पूछे गए प्रश्नों का हल कक्षा में ही बताया जाएगा।

पुनरावृत्ति:

1. ईश्वर का सुमिरन दुख में करना चाहि या दुख में?
2. आपको यह कविता कैसी लगी?
3. आपको ईश्वर से अगर कुछ माँगने को कहा जाए तो आप क्या वरदान माँगोगे?
4. भारत के प्रथम व्यक्ति कौन हैं? जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मनित किया गया?

सह शैक्षिक गतिविधि:

छात्रों को इस कविता को अपने शब्दों में लिखने को कहा जाएगा। इससे रचनात्मक लेखन की कला का विकास होगा। कविता को कक्षा में गाकर प्रस्तुत करने से उनमें गायन कला का विकास होगा। बच्चों को दु:ख से पीड़ित व्यक्ति की मदद करनी चाहिए कि नहीं ऐसे प्रश्न पुछे जाएँगे जिससे उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा।

ज्ञान के अन्य ज्ञानक्षेत्रों के साथ एकीकरण:

गीत के साथ संगीत, कम्पूटर विज्ञान, मनोविज्ञान आदि विषयों से जुड़ेगे।

सीखने का प्रतिफल:

1. छात्र कविता में आए नैतिक मूल्यों के बारे में लिखने का प्रयास करेंगे।
2. कविता का मूल भाव अपने श्ब्दों में लिखेंगे।
3. कठिन शब्दों के अर्थ जानने का प्रयास करेंगे।
4. रविंद्रनाथ ठाकुर के बारे में जानने का प्रयास करेंगे।
5. भगवान से वरदान माँगने के बारे में बताया जाएगा।

विषय - देशप्रेम के दाम
लेखक- विभूती, पठनायक

शिक्षण उद्‌देश्यः-

1. पाठ पढ़ाने से पहले छात्रों को इसके मूल-भाव से परिचित करवाना।
2. छात्रों के देश की अजादी के लिए शहीद होने वाले सेनानियों के बारें में बताना।
3. ब्रिटिश शासन काल में स्वतंत्रता संनानी जेल के अंदर आमरण अनशन क्यों करते थे, इन बातों से छात्रों को परिचित कराना।
4. अज़ादी से पहले लोग राजनीति कैसे करते थे इनसे छात्रों को ज्ञान देना।
5. देश की अज़ादी के लिए स्वतंत्रता संनानी नारायण बाबू के कष्ट झेलने के बारे में जानकारी देना।

पूर्व ज्ञान परीक्षाः

1. क्या आपके परिवार में रिश्ते-नाते में कोई स्वतंत्रता सेनानी रहें हैं? यदि हाँ तो उनके बारे में बताइए।
2. स्वंतत्रता सेनानियों ने किस पवित्र उद्‌देश्य के साथ देश को स्वंतत्र कराया, क्या यह पूरा हुआ?
3. ब्रिटिश सरकार अपने देश की स्वतंत्रका के लिए संघर्ष करने वालों को अपनाधी मानती थी। क्या आपने देश की स्वंतत्रता के लिए लड़ना अपराध की श्रेणी में आता है? इसके बारे में आप क्या सोचते हैं?
4. आज हम कक्षा में प्रसिद्‌ध सेनानी नारायण दास के व्यक्तिव से परिचित होंगे।

शब्द प्रारूपः

कारक, संज्ञा के भेदों के नाम, विलोम शब्द, विशेषण

वर्तनीः

अलग, गिरफ्तार, मान्यता, डॉक्टर, जागरूक, उन्नति

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंगः

भारत को आज़ाद करवाने के लिए सेनानी जिन जेलों में रहे, यात्रा करवाना, दृश्य-श्रव्य साधन, वाद-विवाद, नाटक

कार्य प्रणाली:

पाठ शुरू करने से पूर्व छात्रों को पाठ के माध्यम से उसका मूलभाव समझाया जाएगा। स्वतंत्रता संनानी नाराद्दण दास के बारे में बताया जाएगा। नारायण दास ने देश को आज़ाद करवाने के लिए अपने परिवार का त्याग किया था। वह गुलाम देश के समय देश के लिए कई बार जेल गए। वह आज़ाद देश में देश को अलग ढंग से देखना चाहते थे। जब उनकी अंतिम साँस ेचल रहीं थी तो देश ने उनके लिए 500 रू का मासिक भत्ता लगाया।

छात्र सहभागिता:

1. छात्र नारायण दास तथ उसके परिवार के बारे में जानने के बारे मं प्रयास करेंगे।
2. छात्र कठिन शब्दों के अर्थ तथा उनका वाक्य प्रयोग करने का प्रयास करेंगे।
3. छात्र नारायण दास की जीवनी के साथ-साथ कुछ और स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

पुनरावृत्ति:

1. आपको यह कहानी कैसी लगी?
2. स्वतंत्रता सेनानियों को कौन-से कष्ट सहने पड़ते होंगे?
3. स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान सबसे लंबे समय तक आमरण अनशन करने के कारण किस क्रांतिकारी की मृत्यु हुई?
4. कालापानी क्या है? कालापानी की सज़ा किन क्रांतिकारियों को दी जाती थी?

ज्ञान के अन्य ज्ञानक्षेत्रों के साथ एकीकरण:

छात्रों को देश को अज़ाद करवाने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के नाम लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। छात्रों को देश को अज़ाद करवाने वाले सेनानियों द्वारा किए गए अनशन तथा आंदालनों की सूची बनाने के लिए कहा जाएगा। अंग्रेजों द्वारा किए अत्याचारों पर निबंध लिखेंगे। छात्रों को कालापानी शब्द की व्याख्या करने को कहा जाएगा। कुछ सेनानियों की सूची लिखकर उसका पोस्टर बनाकर कक्षा में लगाएँगे। इस प्रकार छात्र चित्रकला, इतिहास, कंप्यूटर तथा भाषा विज्ञान के साथ जुड़ेगे।

सीखने का प्रतिफल:

1. छात्रों का ज्ञानवर्धन किया जाएगा।

2. छात्रों को नारायण दास की जीवनी से परिचित कराने का प्रयास करेंगे।
3. छात्रों द्वारा कुछ आज़ादी के प्रश्न किए जाएँगे।
4. छात्रों को कठिन शब्दों के अर्थ तथा उनके वाक्य प्रयोग सिखए जाएँगे।
5. छात्रों को घर से कुछ प्रश्नों के उत्तर ढूँढने को कहा जाएगा।

सह शैक्षिक गतिविधियाँ:

स्वतंत्रता संनानियों के नाम याद कर उनकी सूची तैयार करेंगे। सरकार द्वारा किए गए अत्याचारों पर तथा इस समय देश की स्थिति के बारे में लिखेंगे। कक्षा में देश की आज़ादी पर एक अनुच्छेद लिखेंगे। 4-5 आज़ादी दिलाने वाले सैनिकों की जीवनी पर कुछ पंक्तियाँ लिखेंगे। छात्र अपने द्वारा चुने गए किसी एक स्वतंत्रता सेनानी के बारे में पात्र अभिनय करते हुए कक्षा में उसके व्यक्तिव के बारे में बताएँगे।

मूल्यांकन:

निम्न विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा।

1. पाठ्य-पुस्तक के प्रश्न
2. अंग्रेज सरकार ने नारायण बाबू पर कितने रूप्ए ईनाम रखा था?
3. नारायण बाबू के परिवार के बारे में बताओ।
4. नारायण बाबू का जीवन अंत में कैसा था?
5. कक्षा परीक्षा, गृह कार्य

विषय – शहीद का पत्र

शिक्षण उद्देश्यः–

1. छात्रों को समझाना कि हमारे पूर्वजों ने देश को आज़ाद करवाने के लिए कितना परिश्रम किया था।
2. शहीदों ने देश के लिए अपना परिवार तथा घर–बार कैसे छोड़ा था।
3. छात्रों के पत्र लिखने के लिए उत्साहित करना।
4. छात्रों को पाठ का शुद्ध उच्चारण कराना तथा पाठ में आए कठिन शब्दों की जानकारी देना।
5. ब्रिटिश सरकार के समय भारतीय लोगों द्वारा किए गए कामों तथा धरनों की जानकारी देना।

पूर्व ज्ञान परीक्षाः

1. आपका देश कब स्वतंत्र हुआ?
2. भारत पहले किसके अधीन था?
3. क्या आप कुछ स्वतंत्रता सेनानियों के नाम बता सकते हैं?
4. क्या आपके घर या पड़ोस में कोई स्वतंत्रता सेनानी हुए हैं?

शब्द प्रारूपः

सरफरोशी, बाजू–ए–कातिल, सामर्थ्य

वर्तनीः

पृष्ठ, इन्साफ, मुकदमा, बिस्मिल, न्याय

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंगः

दृश्य–श्रव्य साधन, निंबध लेखन, वाद–विवाद, कठिन शब्दों के अर्थ लिखते हुए वाक्य में प्रयोग, फ्लैश कार्ड, नाटक

कार्य प्रणालीः

पाठ का पठन करतु हुए उन्हें समझाया जाएगा कि हम लोग बहुत ही भाग्यशाली हैं जो भारत जैसे देश में पैदा हुए। हमारे देश को आज़ाद करवाने के लिए हमारे पूर्वजों ने अपना घर–बार, परिवार सब कुछ छोड़ दिया। यहाँ तक कि देश को आज़ाद करवाने के लिए अपने प्राण तक त्याग दिए। छात्रों को बिस्मिल जी का परिचय देते हुए उनके द्वारा लिखे हुए पत्र को पढ़ाया जाएगा।

छात्र सहभागिताः

1. छात्र पाठ का पठन तथा वाचन करेंगे।
2. स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन से अवगत होंगे।
3. प्रश्नों के उत्तर लिखने का अभ्यास करेंगे।
4. पाठ के आधार पर अपने सगे-संबंधियों को एक पत्र लिखने का प्रयास करेंगे।

पुनरावृत्तिः

1. पहला पत्र किसने और किसे लिखा?
2. बिस्मिल ने यह पत्र कब लिखा?
3. सभी शहीद किस जेल में बंद थे?

ज्ञान के अन्य ज्ञानक्षेत्रों के साथ एकीकरणः

छात्रों को पाठ में आए तथा देश की आज़ादी के लिए होने वाले शहीदों के बारे में लिखने को कहा जाएगा। छात्र कक्षा में शहीदों के ऊपर एक निबंध लिखेंगे। छात्रों को देश को आज़ाद करवाने वाले शहीदों के जन्म तथा कामों के बारे में लिखते हुए एक पत्रिका तैयार करवाई जाएगी। छात्र इजिहास, मनोविज्ञान तथा कंप्यूटर आदि विषयों से जुड़ेगे।

सीखने के प्रतिफलः

1. छात्रों को पत्र लेखन की विधि से अवगत करवाया जाएग।
2. छात्रों को पत्र लिखना सिखाया जाएगा।
3. छात्रों को कुछ अन्य शहीदों के नाम जानने के बारे में कहा जाएगा।

सहायक सामग्रीः

पाठ्य-पुस्तक, श्याम-पट्ट, स्मार्ट-बोर्ड, झाड़न तथा कुछ तस्वीरें

सह शैक्षिक गतिविधियाँः

छात्र देश के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने वाले सब क्रांतिकारियों के नाम याद करेंगे। छात्र इस पाठ को इतिहास के साथ जोड़कर 'काकोरी कांड' के बारे में जानकारी लिखेंगे। छात्र रामप्रसाद बिस्मिल के ऊपर एक निबंध लिखेंगे। इस पर कक्षा में चर्चा करेंगे। छात्र काकोरी कांड के ऊपर नाटक करेंगे।

मूल्यांकनः

निम्न विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा।

पाठ्य पुस्तक में से

1. श्रामप्रसाद बिस्मिल ने पहला पत्र किसको लिखा था?
2. सरकारी खजाना लूटने की घटना का वर्णन करें।
3. सभी शहीद किस जेल में बंद थे?

कक्षा परीक्षा, वाद-विवाद, गृह कार्य

विषय – प्रकृति का सान्निध्य

शिक्षण उद्देश्य:–

1. छात्रों को प्रकृति का महत्तव बताना।
2. छात्रों को पशु-पक्षी से सान्निध्य को वर्णित करना।
3. छात्रों को पाठ के मूल-भाव से परिचित कराना।
4. प्रकृतिक प्रेम तथा वातावरण से परिचित कराना।

पूर्व ज्ञान परीक्षा:

1. क्या आप इस पाठ के नाम का अर्थ समझते हैं?
2. हमें प्रकृति क्या-क्या देती है?
3. क्या आपको पहाड़, झरने आदि देखना अच्छा लगता है?
4. जानवरों को देखना कैसा लगता है?

शब्द प्रारूप:

आशंका, समीपता, नख-शिखांत, धन्यता

वर्तनी:

सुविस्तृत, कृत्रिम, सुदीर्घ

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंग:

पाठ्य-पुस्तक, दृश्य-श्रवण साधन, परिचर्चा, प्रकृतिक संसाधन, जानवरों तथा पक्षियों के चित्र, झाड़न, श्यामपट्ट आदि

कार्य प्रणाली:

पाठ का पठन करवाने हुए कठिन शब्दों के अर्थ तथा उच्चारण के बारे में बताया जाएगा। छात्रों को समझाया जाएगा कि प्रकृति का हमारे जीवन में एक महत्त्वपूर्ण स्थान है। बच्चों को र्प्यावरण का महत्त्व बताते हुए पेड़-पौधे, जीव-जतुओं, नदी और पहाड़ों से समीपता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। लेखक के विचार से प्रकृति एक परिवार की तरह है। इसमें सभी जीव-जंतु, पेड़-पौधे, नदी या पहाड़ और मनुष्य सभी शामिल हैं। अगर मनुष्य प्रकृति सक दूर हो जाता है उसका अपना अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा। विकास के लिए प्रकृति का प्रयोग एक सीमा तक ही होना चाहिए।

छात्र सहभागिता:

1. पाठ का पठन करते हुए नए शब्दों के अर्थ तथा उनका शुद्ध उच्चारण सीखेंगे।
2. जीवन में प्रकृति का महत्तव समझेंगे तथा पाठ को अपने जीवन के साथ जोड़ने का प्रयास करेंगे।
3. प्रकृति के विभिन्न दृश्यों के चित्र एकत्र करके उनका एक चित्रकला बनाएँगे।
4. प्रश्न/उत्तर तथा शब्द/अर्थ आदि याद करेंगे।

पुनरावृत्ति:

1. 'सुदीर्घ' से आप क्या समझते हैं?
2. लेखक किसके दर्शन के लिए तरसते हैं?
3. मनुष्य किस आवरण से घिरा है?
4. हम सब किसकी संतान हैं?

ज्ञान के अन्य ज्ञानक्षेत्रों के साथ एकीकरण:

छात्र पाठ पढ़ने के बाद प्रकृति का भ्रमण करते हुए उनके ऊपर एक निबंध लिखेंगे। प्रकृति के लाभों की सूची तैयार करेंगे। जानवरों तथा पक्षियों की देखभाल करनी चाहिए या नहीं इस पर चर्चा करेंगे। इस प्रकार कुदरत के दृश्य के पोस्टर बनाकर चित्रकला के साथ जुड़ेगे। छात्र भाषा विज्ञान तथा मनोविज्ञान से जुड़ेगें।

सीखने के प्रतिफल:

इस पाठ के माध्या से छात्रों को अलग-अलग प्रकृतिक दृश्यों की जानकारी देते हुए उनका अपने पर्यावरण से प्रेम बढ़ाया जाएगा तथा जंगलों में जीव-जंतुओं की रक्षा करने की तरफ भी प्रेरित किया जाएगा।

सह शैक्षिक गतिविधियाँ:

छात्र पाठ में से प्रकृति के सामीपय की जानकारी प्राप्त करेंगे। अलग-अलग स्थानों का भ्रमण करते हुए उनकी विशेषताएँ ग्रहण करेंगे। कक्षा में पाठमें आए प्रश्नों को याद करेंगे। प्रकृति के अलग-अलग दृश्यों को तैयार करके एक कोलॉज तैयार करेंगे।

मूल्यांकन:

पाठ्य पुस्तक के प्रश्न

1. लेखक किसके दर्शन के लिए तरसता है?

2. मनुष्य किस आवरण से घिरा है?

कक्षा परीक्षा, गृह कार्य

विषय – कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती

शिक्षण उद्‌देश्यः–

1. सबसे पहले इस कविता का सस्वर वाचन कराना।
2. छात्रों को बताना कि असफलता से निराश नहीं होना चाहिए। ब्लकि उसे एक चुनौती के रूप में लेना चाहिए।
3. छात्रों को बताना कि वो व्यक्ति कोशिश करते है उनकी कभी भी हार नहीं होती।
4. संज्ञा, विलोम शब्द तथा वचन की जानकारी बच्चों को देना।
5. छात्रों को बताना कि सफलता प्राप्ति के लिए लगातार मेहनत करना बहुत आवश्यक है।

पूर्व ज्ञान परीक्षाः

1. क्या आपने हरिवंशराय बच्चन की कोई अन्य कविता पढ़ी है? यदि हाँ तो उसके बारे में बताएँ।
2. असफलता को सफलता में कैसे बदला जा सकता है?
3. 'नर हो न निराश करो मन को' कविता पढ़कर दोनों कविताओं का तुलनात्मक विश्लेष्ण करें।
4. क्या कुछ किए बिना किसी की जय–जयकार हो सकती है?

शब्द प्रारूपः

सिंधु, डुबकियाँ, उदाहरण, लक्ष्य

वर्तनीः

विश्वास, मनुष्य, चुनौती, त्याग

सहायक सामग्रीः

स्मार्ट–बोर्ड, श्यामपट्‌ट, झाड़न, चॉक आदि

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंगः

पाठ्‌य–पुस्तक, दृश्य–श्रव्य साधन, स्लोगन, परिचर्चा, इंटरनेठ तथा पुस्तकालय

कार्य प्रणालीः

कविता के माध्यम से छात्रों को पढ़ाया जाएगा कि असफल होने पर कभी भी निराश नहीं होना चाहिए। हमें उसे चुनौती के रूप में स्वीकार कर सफलता प्राप्त करनी चाहिए। समाज में अगर ऊँचा उठना है तो कुछ काम करना पड़ेगा। जिस प्रकार चींटीं बार-बार ऊपर चढ़ती, गिरती, फिर प्रयास करके ऊपर चढ़ती है और अंत में सफल हो जाती है उसी पर हमें भी सफलता प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ना चाहिए। सफलता का डंका उन्ही का बजता है जो कर्मयोगी होते हैं। निकम्मे लोगों की संसार में जय-जयकार नहीं होती।

छात्र सहभागिता:

कविता को समझाने तथा पढ़ाने के बाद शब्दों के अर्थ कक्षा में याद करवाए जाएँगे। कविता में से कुछ प्रश्नों के उत्तर पूछे जाएँगे। बच्चों को पूछा जाएगा कि असफलता का सामना करने के लिए आप क्या करेंगे। इस प्रश्न पर बच्चे अपने-अपने विचार रखेंगे।

पुनरावृत्ति:

1. यह कविता आपको कैसी लगी?
2. असफलता को चुनौती के रूप में लेने के क्या परिणाम होते हैं?
3. गोताखोर मोती पाने के लिए क्या-क्या करता है?
4. यदि मन में विश्वास हो तो हमारी ताकत बढ़ जाती है।
5. टपना अनुभव बताएँ।

ज्ञान के अन्य ज्ञानक्षेत्रों के साथ एकीकरण:

छात्र सफलता प्राप्ति के मंत्र लिखकर एक चार्ट तैयार करेंगे। इस चार्ट को कक्षा में लगाया जाएगा। असफल होते-होते जो व्यक्ति सफल हुआ हो, कोई ऐसे व्यक्ति की जीवनी पर एक निबंध लिखेंगे। चींटीं का दीवार पर बार-बार चढ़ना और गिरना पर अपने शब्दों में एक कविता तैयार करेंगे। कक्षा में सफलता और असफलता पर एक वाद-विवाद करेंगे। इस प्रकार छात्र मनोविज्ञान, कंप्यूटर तथा मिथिहास आदि विषयों के साथ जुडेंगे।

सीखने के प्रतिफल:

1. कविता के बारे में पूर्ण जानकारी दी जाएगी।
2. बच्चों को बताया जाएगा कि किसी काम को लग्नसे करने पर हमें सफलता मिलती है।
3. जय-जयकार की प्राप्ति के लिए काम करना जरूरी है।
4. कोशिश ही सफलता प्राप्ति का मंत्र है।

सह शैक्षिक गतिविधियाँ:

कक्षा में छात्र कविता को पढ़ेगें। सफलता के लिए हमें मेहनत का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। असफल होने पर हमें क्या करना चाहिए इस पर चर्चा करेंगे। एक सफल व्यक्ति पर निबंधर लिखेंगे। सफल और असफल व्यक्ति पर कक्षा में चर्चा करेंगे। किसी से मिलती जुलती एक और कविता लिखेंगे।

मूल्यांकन:

निम्न विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा।

पाठ्य पुस्तक के प्रश्न

1. नन्हीं चींटीं क्या लेकर चलती है?
2. असफलता किसके समान है?
3. किनसे डरकर नौका पर नहीं होती?

गृह कार्य, वाद-विवाद कक्षा परीक्षा

विषय – वीर बालक

शिक्षण उद्देश्यः–

1. छात्रों को जीवन में साहस और बाहदुरी के महत्व से अवगत कराना।
2. उनको बताना कि जीवन का सबसे बड़ा संकट भी साहस से टाला जा सकता है।
3. छात्रों को पाठ में आई घटनाओं से अवगत करवाकर पाठ का केंद्रीय भाव बताना।
4. छात्रों को मध्यकाल में भारत पर हुए अत्याचारों से ज्ञात करवाना।
5. तैमूर और बलकरन की चारित्रिक विशेषताओं से जानू करवाना।

पूर्व ज्ञान परीक्षाः

1. क्या आप जानते हैं कि भारत पर तैमूर लंग से पहले किस-किस ने आक्रमण किया था?
2. तैमूरलंग से पहले भारत पर किस वंश का शासन था।
3. तैमूरलंग लूटमार करने के बाद भारत में ही बस गया या वापिस लौट गया?
4. सोमनाथ पर किसने आक्रमण किया था?

शब्द प्रारूपः

नचीज, वाकिफ, जिहाद, ज़र्रा-ज़र्रा, फरज

वर्तनीः

अट्टहास, बख्शता, काफिरो, खूँखार

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंगः

इतिहास की पुस्तकें, अपनी पाठ्य-पुस्तक, आततायियों की जानकारी, वाद-विवाद, दृश्य श्रव्य साधन, देश की आज़ादी के लिए कुछ साहसी लोगों की जीवनी।

कार्य प्रणालीः

पाठ को पढ़ाते समय छात्रों को नए शब्दों के अर्थ बताकर उनका सही उच्चारण करना सिखाया जाएगा। तैमूरलंग का हमला हमारे भारत देश की एक प्रमुख घटना है। यह पाठ भी इसी घटना पर आधारित है। इस पाठ में यह बताया गया है कि कैसे एक वीर बालक अपनी निड़रता तथा बात करने की चतुराई से वह तैमूर जैसे हमलावर को प्रभावित कर लेता है। वह इतना बहादुर है कि तैमूर जैसे आततायी की तलवार से भी नहीं डरता।

छात्रों को प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस पर पुरस्कृत किए जाने वाले बच्चों की जानकारी प्राप्त करने के लिए कहा जाएगा।

छात्र सहभागिताः

1. छात्र पाठ का पठन तथा श्रवण करेंगे।
2. पाठ से संबंधित गतिविधि करेंगे तथा पुरस्कृत बच्चों के नामों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
3. उर्दू फारसी के नए शब्द तथा उनके अर्थ भी याद करेंगे।

पुनरावृत्तिः

1. विदेशी आक्रमणीकारी आते-जाते विर्दोष लोगों की हत्या क्यों करते थे?
2. बलकरन तैमूर की फौज में भरती होने से इंकार क्यों करता है?
3. तैमूर कौन था?
4. कल्याणी के घर से अलबेग को क्या मिला?
5. गाँव में किस कारण भगदड़ मच गई।

ज्ञान के अन्य ज्ञानक्षेत्रों के साथ एकीकरणः

छात्र अपने जीवन में किसी एक व्यक्ति जिसने वीरता के साथ दुश्मनों का सामना किया हो उसकी जीवनी लिखेगे। आज़ादी के समय वीर सेनानियों के ऊपर एक लेख लिखेंगे। तैमूर भारत आकर क्या बना। उसने कितनी लूटमार की इस पर चर्चा करेंगे। कक्षा में वीर और कायरों के कामों पर वाद-विवाद करेंगे।

सीखने के प्रतिफलः

1. भारत के वीर बालकों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।
2. बच्चे भारत के इतिहास के कुछ पक्षों से परिचित होंगे।
3. बच्चे देशभक्ति के भाव से अवगत होंगे।

संसाधनः

पाठ्य-पुस्तक, श्याम पट्ट, चॉक, झाड़न, स्मार्ट-बोर्ड

सह शैक्षिक गतिविधियाँ:

कक्षा में छात्र तैमूर तथा वीर बालक बलकरन के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। एक वीर व्यक्ति का देश के लिए क्या महत्त्व है इस पर निबंध लिखेंगे। वीर बालक बलकरन के बहादुरी वाले कानों की सूची तैयार करेंगे। तथा आपस में चर्चा करेंगे कि हमें अपनी जिंदगी कायर बनकर नहीं ब्लकि बहादुर व्यतीत करनी चाहिए। कक्षा में छात्र यह भी जानकारी प्राप्त करेंगे। कि बहादुर की ही दुनिया में नाम होता है।

मूल्यांकन:

निम्न विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा।

क) पाठ्य पुस्तक के प्रश्न

1. तैमूर कौन था?
2. बलकरन ने तैमूर का सामना कैसे किया?
3. 1025 में सोमनाथ पर किसने हमला किया?
4. तैमूर भारत में क्यों बस गया?

ख) वाद-विवाद, परिचर्चा, कक्षा परीक्षत

ग) गृह कार्य

घ) कक्षा परीक्षा

विषय वस्तु - प्रायश्चित

शिक्षण उद्देश्यः-

1. छात्रों को समाज में व्याप्त अंधविश्वासों से जागृत करवाना।
2. पंडितों के प्रति लोगों को अंध श्रद्धा को वर्णित करना।
3. छात्रों को बताना कि आँख बंद करके समाज की किसी भी मान्यता को नहीं अपनाना चाहिए।
4. छात्रों को बताना कि उचित-अनुचित के बीच भेद तथ्य को कसौटी पर कसकर नहीं रखना चाहिए।
5. छात्रों को बताना कि आप इन अंधविश्वास से बचकार रहेंगे तथा इनको दूर करने की कोशिश करेंगे।

पूर्व ज्ञान परीक्षाः

1. क्या आप किसी जीव-जंतू या पक्षी से घृणा करते हैं?
2. बिल्ली की हत्या को पाप क्यो माना जाता है?
3. वर्तमान में कौन-सा युग चल रहा है?
4. पंडित परमसुख कौन थे?

शब्द प्रारूपः

लिंग, वचन, अनेक शब्दों के लिए शब्द, मुहावरे, क्रियाविशेषण

वर्तनीः

नदादर, ऊँघ, बाँसुरी, हुक्म, परमसुख, अखरेगा

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंगः

पाठ्य-पुस्तक, दृश्य श्रवन, सी.डी., परिचर्चा घरों में आने वाले अंधविश्वास के कारण, हमारे समाज में अंधविश्वासों की सूची।

कार्य प्रणालीः

पाठ के मूल भाव से परिचित कराते हुए छात्रों को पाठ में आए कठिन शब्दों के बारे में बताया जाएगा। पाठ में आए मुहावरों को याद रिवाया जाएगा। छात्रों को पाठ का शुद्ध उच्चारण करना सिखाया जाएगा। पाठ में आए अंधविश्वासों की पूरी जानकारी दी जाएगी।

छात्र सहभागिता:

छात्र पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ याद करेंगें अभ्यास वाले प्रशन खुद ढूँढेगें। अंधविश्वासों की सूची तैयार करेंगे तथा इनके बचाव के उपाय पर कक्षा में चर्चा करेंगे।

पुनरावृत्ति:

1. यह कहानी आपको कैसी लगी?
2. बिल्ली के भाग जाने की बात सुनकर परमसुख को कया महसूस हुआ?
3. क्या आजकल भी परमसुख जैसे पंड़ित पाए जाते हैं?
4. क्या एक आदमी का खाना पाँच पंड़ितों के खाने के बराबर हो सकता है?

ज्ञान के अन्य ज्ञानक्षेत्रों के साथ एकीकरण:

छात्रों को समाज में फैले हुए अंधविश्वासों की जानकारी देते हुए उनको उनकी सूची तैयार करने के लिए कहा जाएगा। पाठ में पंडित द्वारा माँगे गए राशन की सूची तैयार करेंगे। छात्र कक्षा में अंधविश्वास पर आधारित एक निंबध लिखने को कहा जाएगा। अंधविश्वास पर एक परिचर्चा भी करवाई जाएगी।

सीखने के प्रतिफल:

छात्रों को जीव-जंतुओं से प्रेम करने की प्रेरणा दी जाएगी। छात्रों के अंधविश्पास न करके उस समस्या से बाहर निकलने का प्रयास करने की सीख दी जाएगी। दान गरीबों को देकर पंड़ितों को न देने की सीख दी जाएगी।

सह शैक्षिक गतिविधियाँ:

कक्षा में छात्र अंधविश्वास के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। छात्र अपने आस-पास देखे हुए किसी भी अंधविश्वास पर एक निंबध लिखेंगे। कक्षा में अंधविश्वासों को अपनाना चाहिए या नहीं इस पर परिचर्चा करेंगे। किसी एक अंधविश्वास को लेकर उस पर 4-5 पंक्तियाँ लिखेंगे।

मूल्यांकन:

निम्न विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा।

क) पाठ्य पुस्तक के प्रश्न

1. क्बरी क्या करती है?
2. पंड़ित जी को क्यों बुलाया गया?

3. पाटा किसे कहते हैं?

ख) परिचर्चा

ग) गृह कार्य

घ) कक्षा परीक्षा

विषय वस्तु – वर्ण–विच्छेद

शिक्षण उद्देश्यः–

1. छात्रों को वर्णा और वर्णमाला से परिचित कराना।
2. र्व्ण को परिभाषित करना।
3. स्वरों की मात्राओं का बोध और प्रयोग करना सिखाना।

पूर्व ज्ञान परीक्षाः

1. वर्ण किसे कहते हैं?
2. वर्ण कितनी प्रकार के होते हैं?
3. स्वरों और व्यंजनों की संख्या लिखें।
4. वर्णो को अलग–अलग करना क्या कहलाता है?

शब्द प्रारूपः

कठिन शब्दों को लिखना, 'रे के रूप की पहचान, संयुक्त वर्णा की पहचान

वर्तनीः

प्रकृति, सिक्का, दाँत, आर्शीवाद

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंगः

दृश्य श्रवन साधन, व्याकरण पुस्तक, फ्लैश कार्ड, श्यामपट्ट, झाड़न, वाद–विवाद

कार्य प्रणालीः

छात्रों को पूर्व ज्ञान से संबंध जोड़ते हुए उन्हें वर्णा के बारे में बताया जाएगा। वर्ण स्वर और व्यंजन की मदद से बनते हैं। छात्रों को वर्ण से तोड़कर लिखना सिखाया जाएगा। छात्रों को 'र' के रूप की जानकारी देते हुए उनका विच्छेद करना सिखाया जाएगा। द्वित्व व्यंजनों की जानकारी देते हुए उनका विच्छेद बताया जाएगा।

छात्र सहभागिताः

छात्र वर्ण–विच्छेद की जानकारी ग्रहण हरते हुए अलग–अलग वर्ण लेकर उनका विच्छेद करना सीखेंगे। स्वरों और व्यंजनों की जानकारी प्राप्त करते हुए 'र' संयुक्त व्यंजन तथा द्वित्य व्यंजनों को भी विच्छेद करना सीखेंगे।

पुनरावृत्तिः

1. वर्ण किसे कहते हैं?
2. व्यंजन कितनी प्रकार के होते हैं?
3. 'प्रकृति' का वर्ण–विच्छेद करो।
4. द्‍वित्व व्यंजन कौन से होते हैं?

ज्ञान के अन्य ज्ञानक्षेत्रों के साथ एकीकरणः

छात्र वर्णमाला का एक चार्ट बनाकर कक्षा में लगाएँगे। स्वर+व्यंजन की संख्या लिखकर उनकी सूची तैयार करेंगे। जिन वस्तुओं के नाम 'र' से शुरू होते हैं उनकी तस्वीर बनाएँगे। इस प्रकार वह विच्छेद भी करेंगे। इस प्रकार छात्र चित्रकला के साथ जुड़ेगें।

सह शैक्षिक गतिविधियाँः

वर्ण विच्छेद की पूरी जानकारी प्राप्त करने के बाद वह जिन बच्चों के नाम 'क' से शुरू हैं उन पर वर्ण–विच्छेद करेंगे। कक्षा में वाद–विवाद होगा। कुछ बच्चे स्वर तथा कुछ बच्चे अपने नामों के आधार पर व्यंजन बनाएंगे। इस प्रकार पाठ का सपष्टीकरन किया जाएगा।

सीखने के प्रतिफलः

वर्ण–विच्छेद को छात्र अपनी शैली में करेंगे। छात्र 'र' नाम वाले छात्रों के नाम का वर्ण–विच्छेद करेंगे। संयुक्त तथा द्‍वित्व व्यंजनों के लिए शब्दकोष का प्रयोग करेंगे। छात्र स्वर तथा व्यंजनों के कुछ शब्द लिखने का प्रयास करेंगे।

मूल्यांकनः

निम्न विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा।

क) व्याकरण पुस्तक के प्रश्न

1. स्पर्श, उष्म तथा संयुक्त व्यंजन किसे कहते हैं।
2. 'कृपा' का वर्ण–विच्छेद करें।

ख) कक्षा परीक्षा, गृह कार्य

विषय वस्तु - संज्ञा

शिक्षण उद्देश्यः-

1. छात्रों को संज्ञा से परिचित कराना।
2. व्यक्ति, स्थान, भाव तथा वस्तु के नाम के माध्यम से संज्ञा का बोध कराना।
3. संज्ञा के भेदों से परिचित कराना।
4. अभ्यास द्वारा संज्ञा सपष्ट करना।

पूर्व ज्ञान परीक्षाः

1. संज्ञा किसे कहते हैं?
2. राम स्कूल जा रहा है इस वाक्य में 'राम' क्या है?
3. 'भाव' किसे कहते हैं?
4. दिल्ली क्या है?

शब्द प्रारूपः

कठिन शब्दों को लिखना, व्यक्ति, भाव तथा स्थान की जानकारी तथा पहचान करना

वर्तनीः

व्यक्तिवाचक संज्ञा, समुदायवाचक, द्रव्यवाचक संज्ञा, कक्षा

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंगः

दृश्य श्रवन साधन, श्यामपट्ट, झाड़न, कक्षा को व्यक्ति, स्थान तथा भाव के आधार पर बाँटकर पहचान कराना

कार्य प्रणालीः

छात्रों को व्यक्तियों के नाम पर व्यक्तिवाचक संज्ञा समझाई जाएगी। छात्र कक्षा में संज्ञा ध्यान से पढ़ेंगे। छात्रों को कक्षा में भाववाचक संज्ञा की पहचान गुस्सा, गर्मी के आधार पर करवाई जाएगी। छात्रों को अलग-अलग स्थानों के चित्र लिखाकर संज्ञा की पहचान करवाई जाएगी।

छात्र सहभागिताः

छात्र संज्ञा की पहचान करके अलग-अलग स्थानों के राम लिखकर व्यक्तिवाचक तथा जातिवाचक संज्ञा के बीच अंतर समझेंगे। अपने भावों को व्यक्त करते भाववाचक संज्ञा को समझेंगे।

पुनरावृत्तिः

1. द्व्यवाचक संज्ञा की उदाहरण है।
2. समूहवाचक संज्ञा किसे कहते हैं?
3. व्यक्तिवाचक तथा जातिवाचक में अंतर बताएँ।

ज्ञान के अन्य ज्ञानक्षेत्रों के साथ एकीकरणः

छात्र संज्ञा को समझते हुए अपने परिवेश से संबंधित वस्तुओं तथा प्राणियों के नाम की सूची तैयार करेंगे। कक्षा में प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं के चित्र बनाएँगे। इतिहास में से कुछ स्थानों के नाम लिखेंगे। इनसे उनके अंदर चित्रकला तथा इतिहासकी जानकारी भी आएगी।

सह शैक्षिक गतिविधियाँः

छात्र परिवेश में साबुन, तेल, आटा तथा दाल के चित्र बनाकर कक्षा में लगाएँगे। व्यक्तिवाचक, जातिवाचक तथा भावाचक के 10-10 उदाहरणों की सूची तैयार करेंगे। कक्षा में उदाहरणों तथा अभ्यास को पूरा करेंगे।

सीखने के प्रतिफलः

संज्ञा की जानकारी प्राप्त करने के बाद छात्र संज्ञा को अपनी शैली में लिखेंगे। कक्षा में स्थानों, नामों तथा भावों के आधार पर चर्चा करते हुए पाठ को समझेंगे। छात्र कक्षा में संज्ञा के अलग-अलग भेदों की उदाहरण लिखने का प्रयास करेंगे।

मूल्यांकनः

निम्न विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा।

क) व्याकरण पुस्तक के प्रश्न

1. तजमहल कौन-सी संज्ञा है?
2. छूध किस संज्ञा का उदाहरण है?

ख) अभ्यास प्रत्रिका, कक्षा परीक्षा, गृह कार्य

विषय वस्तु – उपसर्ग

शिक्षण उद्देश्यः–

1. छात्रों में विषय के प्रति रूचि पैदा करनी।
2. बच्चों में नवीन शब्द निर्माण की योग्यता विस्तार करना।
3. बच्चों के शब्द भंडार में वृद्धि करना।
4. बच्चों को व्याकरण के माध्यम से शुद्ध शब्दों का प्रयोग करना सिखाना।

पूर्व ज्ञान परीक्षाः

छात्र को विद्यालय तथा उसके प्रधान खंड

शब्द प्रारूपः

कठिन शब्दों को लिखना, 'रे के रूप की पहचान, संयुक्त वर्णा की पहचान

वर्तनीः

प्रकृति, सिक्का, दाँत, आर्शीवाद

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंगः

दृश्य श्रवन साधन, व्याकरण पुस्तक, फ्लैश कार्ड, श्यामपट्ट, झाड़न, वाद–विवाद

कार्य प्रणालीः

छात्रों को पूर्व ज्ञान से संबंध जोड़ते हुए उन्हें वर्णा के बारे में बताया जाएगा। वर्ण स्वर और व्यंजन की मदद से बनते हैं। छात्रों को वर्ण से तोड़कर लिखना सिखाया जाएगा। छात्रों को 'र' के रूप की जानकारी देते हुए उनका विच्छेद करना सिखाया जाएगा। द्वित्व व्यंजनों की जानकारी देते हुए उनका विच्छेद बताया जाएगा।

छात्र सहभागिताः

छात्र वर्ण–विच्छेद की जानकारी ग्रहण हरते हुए अलग–अलग वर्ण लेकर उनका विच्छेद करना सीखेंगे। स्वरों और व्यंजनों की जानकारी प्राप्त करते हुए 'र' संयुक्त व्यंजन तथा द्वित्य व्यंजनों को भी विच्छेद करना सीखेंगे।

पुनरावृत्तिः

5. वर्ण किसे कहते हैं?
6. व्यंजन कितनी प्रकार के होते हैं?
7. 'प्रकृति' का वर्ण–विच्छेद करो।
8. द्‌वित्व व्यंजन कौन से होते हैं?

ज्ञान के अन्य ज्ञानक्षेत्रों के साथ एकीकरण:

छात्र वर्णमाला का एक चार्ट बनाकर कक्षा में लगाएँगे। स्वर+व्यंजन की संख्या लिखकर उनकी सूची तैयार करेंगे। जिन वस्तुओं के नाम 'र' से शुरू होते हैं उनकी तस्वीर बनाएँगे। इस प्रकार वह विच्छेद भी करेंगे। इस प्रकार छात्र चित्रकला के साथ जुड़ेगें।

सह शैक्षिक गतिविधियाँ:

वर्ण विच्छेद की पूरी जानकारी प्राप्त करने के बाद वह जिन बच्चों के नाम 'क' से शुरू हैं उन पर वर्ण–विच्छेद करेंगे। कक्षा में वाद–विवाद होगा। कुछ बच्चे स्वर तथा कुछ बच्चे अपने नामों के आधार पर व्यंजन बनाएंगे। इस प्रकार पाठ का सपष्टीकरन किया जाएगा।

सीखने के प्रतिफल:

वर्ण–विच्छेद को छात्र अपनी शैली में करेंगे। छात्र 'र' नाम वाले छात्रों के नाम का वर्ण–विच्छेद करेंगे। संयुक्त तथा द्‌वित्व व्यंजनों के लिए शब्दकोष का प्रयोग करेंगे। छात्र स्वर तथा व्यंजनों के कुछ शब्द लिखने का प्रयास करेंगे।

मूल्यांकन:

निम्न विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा।

क) व्याकरण पुस्तक के प्रश्न

3. स्पर्श, उष्म तथा संयुक्त व्यंजन किसे कहते हैं।
4. 'कृपा' का वर्ण–विच्छेद करें।

ख) कक्षा परीक्षा, गृह कार्य

अनुच्छेद

- शिक्षण उददेश्य:-
1. उनकी रचनात्मक एवं सृजनात्मकता को वकिसति करना।
2. विषय अनुरूप रचना करना।
3. अनुच्छेद की व्याकरणिक त्राटियों का निवारण करना।
4. अनुच्छेद के विषय संबंधी तथा तथ्य संबंधी जानकारी प्रदान करना।

- पूर्व ज्ञान परीक्षा:-
5. अनुच्छेद किसे कहते हैं?
6. अनुच्छेद और निबंध में क्या अंतर होता है।
7. अनुच्छेद को सुंदर बनाने के लिए आप किस का प्रयोग करेंगे?
8. अनुच्छेद में संकेत बदिु का क्या मतलब होuता हैं?
9. पूर्व ज्ञान ना होने के कारण छात्रो को अध्यापकि द्वारा स्वयं ही अनुच्छेद के बारे में बताया जाएगा।

- सहायक सामग्री:- श्यामपट्ट, झाड़न, फ्लैशकार्ड, व्याकरण पुस्तिका आदि।
- शिक्षण कार्य विधि:- छात्रों को समझाया जाएगा के अनुच्छेद एक छोटी सी जानकारी है जो हम किसी भी विषय के ऊपर 80 से 100शब्दों में लिख सकते हैं। अगर हम किसी विषय पर अनुच्छेद लिखने

Scanned with CamS

की कोशिश करते हैं तो हमें कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत आवश्यक है जो बातें इस प्रकार हैं।

- अनुच्छेद की भाषा सरल और स्पष्ट होनी चाहिए।
- अनुच्छेद के विचारों को इस क्रम में रखा जाता है कि उनका आरंभ मध्य और अंत आसानी से व्यक्त हो जाए।
- अनुच्छेद के अंत में निष्कर्ष समझ में आ जाना चाहिए यानी विषय समझ में आना जरूरी है।
- अनुच्छेद शब्द सीमा को ध्यान में रखकर ही लिखना चाहिए।

- छात्र सहभागिता:-
  कक्षा में छात्रों को राष्ट्रीय ध्वज पर एक अनुच्छेद लिखने को कहा जाएगा ।छात्र राष्ट्रीय ध्वज के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त करेंगे और एक तिरंगा भी बनाएंगे और इसके साथ स्वतंत्रता सेनानियों के नाम भी याद करेंगे। छात्र चार्ट पेपर की सहायता से एक ध्वज का निर्माण करेंगे। मन में कुछ शंका होने पर वह अध्यापिका से प्रश्न भी करेंगे।

- ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण:-

छात्र राष्ट्रीय ध्वज पर अनुच्छेद लिखने के साथ-साथ एक देशप्रेम

Scanned with CamS

लिखने के साथ-साथ एक देशप्रेम की कविता भी याद करेंगे जिससे उनमें गायन कला का विकास होगा तथा तिरंगा बनाते समय जब वह अलग अलग चार्ट पेपर की मदद लेंगे तो उनके अंदर चित्रकला का भी विकास होगा। स्वतंत्रता सेनानियों के नाम याद करने से उनका संबंध इतिहास के साथ भी जुड़ेगा।

- सह शैक्षिक गतिविधि:- छात्रों को दो वर्गों में बांट दिया जाएगा एक वर्ग संकेत बिंदु का होगा तथा दूसरा वर्ग उसे संकेत बिंदुओं की व्याख्या करने वाला होगा जिससे छात्रों के अंदर आत्मविश्वास भी आएगा और कक्षा में बताया हुआ अनुच्छेद भी समझ में आ जाएगा।

- पुनरावृति:-

1. अनुच्छेद की भाषा कैसी होनी चाहिए?
2. क्या अनुच्छेद में विरोधी बातों का ध्यान रखना चाहिए।
3. क्या अनुच्छेद में मुहावरे तथा लोकोक्तियों का प्रयोग करना ठीक है?

- सीखने का प्रतिफल:-

भाषा शैली का अनुरूप ज्ञान।
विषय को कम से कम शब्दों में पूरा करने की कोशिश करना।
आत्म चिंतन एवं आत्मविश्वास में बढ़ावा ।

Scanned with CamS

- मूल्यांकन:-

छात्रों को दिए गए अभ्यास कार्य की जांच करके और उनसे श्यामपट्ट पर कुछ शब्द लिखवा कर उनका मूल्यांकन किया जाएगा। किसी एक अनुच्छेद को कक्षा में देकर विद्यार्थियों के साथ चर्चा की जाएगी और उसी अनुच्छेद से संबंधित कुछ मौखिक प्रश्न भी पूछ कर उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

विषय हिंदी

उप विषय अनुस्वार अनुनासिक नुक्ता

शिक्षण उद्देश्य

- छात्रों को अनुस्वार ,अनुनासिक तथा मुक्ता का सही प्रयोग सिखाना।
- शब्दों को लिखते समय अनुस्वार ,अनुनासिक तथा नुक्ता का महत्व समझाना।
- व्याकरण संबंधी जानकारी में वृद्धि करना।
- वर्तनी में सुधार करना।
- शब्दों का शुद्ध उच्चारण बताना

पूर्व ज्ञान परीक्षा

- क्या आप कुछ ऐसे शब्दों का उच्चारण कर सकते हैं जिनको बोलते समय आवाज नाक से निकलती है?
- कुछ ऐसे शब्दों का उच्चारण कीजिए चीन को बोलते समय आवास नाक और मुंह दोनों से निकलती है।

Scanned with CamS

- क्या आप जानते हैं कि इन शब्दों को लिखते समय अलग-अलग चिन्हों का प्रयोग किया जाता है?

सहायक सामग्री तथा पद्धति

- स्मार्टबोर्ड ,श्यामपट्ट ,चौक , व्याकरण पुस्तक यूट्यूब ,गूगल, शब्द प्रतियोगिता

शिक्षण कार्य

- अनुस्वार ,अनुनासिक तथा नुक्ता की परिभाषा तथा उनके अर्थ बताते हुए उनके चिन्हों से अवगत करवाया जाएगा ।छात्रों को बताया जाएगा कि अनुस्वार का प्रयोग बिंदी के रूप में ,अनुनासिक का प्रयोग चंद्रबिंदु के रूप में तथा नुक्ता का प्रयोग उर्दू फारसी के शब्दों में पैर में बिंदी के रूप में होता है।जैसे अनुस्वार के शब्द हैं पंडित ,मंदिर शंकर गंगा, पंडित आदि। छात्रों को शब्द देकर उन में उचित स्थान पर अनुस्वार ,अनुनासिक तथा नुक्ता का प्रयोग करने के लिए कहा जाएगा।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- छात्रों को अपने आसपास के वातावरण को देखकर या उसका चित्र दिखा कर उसमें से ऐसी चीजें छांटने के लिए कहा जाएगा जिनका

Scanned with CamS

नाम लिखते समय अनुस्वार अनुनासिक तथा नुकता का प्रयोग किया जाता है ।अपनी पसंद के अनुसार कोई भी चित्र बना सकते हैं इस प्रकार उन्हें वातावरण के अध्ययन तथा चित्रकला से जोड़ा जाएगा।

छात्र सहभागिता

- छात्र विषय को अच्छी तरह से समझेंगे और विषय से संबंधित दी गई गतिविधि को ध्यान पूर्वक करेंगे।
- अभ्यास कार्य करेंगे और विषय का ज्ञान बढ़ाने के लिए अखबार, मैगजीन या पुरानी किताबों आदि का प्रयोग करते हुए और शब्द ढूंढ लेंगे।

सह शैक्षिक गतिविधि

- छात्रों को कुछ ऐसी चीजों और जीवो के चित्र बनाने के लिए कहा जाएगा जिनके नाम में अनुस्वार ,अनुनासिक तथा नुक्ता का प्रयोग हो।

पुनरावृति

- नुक्ता का प्रयोग किस किस अक्षर के साथ होता है?
- अनुनासिक शब्दों का उच्चारण स्थान क्या है?

Scanned with CamS

- अनुस्वार का प्रयोग कब होता है?
- अनुस्वार को दर्शाने के लिए किस चिन्ह का प्रयोग किया जाता है?
- अनुनासिक को किस चिन्ह की सहायता से दिखाया जाता है?

शिक्षण के प्रतिफल

- छात्र अनुस्वार तथा अनुनासिक का सही प्रयोग सीख जाएंगे ।उन्हें इस बात का ज्ञान भी हो जाएगा कि नुक्ता का प्रयोग किस प्रकार होता है और उसका उच्चारण किस प्रकार किया जाता है।
- छात्रों की वर्तनी में भी सुधार होगा।

मूल्यांकन

- अभ्यास पत्रिका ,कक्षा परीक्षा ,पाठ के अंत में दिए गए अभ्यास कार्य आदि द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

पाठ वाक्य विचार

उप विषय

रचना तथा अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद

शिक्षण उद्देश्य

- पाठ में दिए गए विशेष बिंदुओं पर विशेष रूप से बल देना ।
- वाक्य बनाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए अथवा उन में कौन-कौन से गुण होने चाहिए इस

Scanned with CamS

विषय में समझाना ।

- वाक्य के अंग उद्देश्य तथा विधेय से परिचित करवाना ।
- रचना तथा अर्थ के आधार पर वाक्य के भेदों की जानकारी देना ।
- शुद्ध वाक्य रचना सिखा कर छात्रों को लेखन के क्षेत्र में आगे बढ़ाना ।
- रचनात्मकता जाग्रत करना।

पूर्व ज्ञान परीक्षा

- क्या आप जानते हैं कि वाक्य कैसे बनता है ?
- क्या शब्दों के मेल को वाक्य कहा जा सकता है ?
- क्या वाक्यों में पद क्रम का होना जरूरी होता है ?
- क्या वही पद समूह, जिसका कोई अर्थ वाक्य कहलाता है?

सहायक सामग्री

- सीडी ,प्रोजेक्टर, श्यामपट्ट, डस्टर ,चौक कंप्यूटर आदि।

पद्धति

- वाचन कथा श्रवण पद्धति

शिक्षण कार्य

- जुड़िए और समझिए संदर्भ द्वारा उद्देश्य -विधेय की जानकारी दी जाएगी तथा सार्थक -निरर्थक शब्दों की पहचान कराई जाएगी वाक्य की

Scanned with CamS

परिभाषा बताते हुए उसके गुण भीड़ तथा उपभेद पर चर्चा की जाएगी ।बीच-बीच में संबंधित उदाहरण देते हुए विषय की पुष्टि की जाएगी पाठ संबंधी सी. डी. का प्रसारण किया जाएगा।अर्थ के आधार पर तथा रचना के आधार पर वाक्य के भेदों की जानकारी दी जाएगी।छात्रों को सरल वाक्य से संयुक्त वाक्य में रूपांतरण करना तथा संयुक्त से सरल वाक्य बनाना भी सिखाया जाएगा।अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ वेदों के बारे में भी बताया जाएगा।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- Sentences के बारे में बताते हुए उप विषय को अंग्रेजी विषय के साथ भी जोड़ा जाएगावातावरण तथा विज्ञान से जुड़े हुए वाक्यों द्वारा छात्रों को विज्ञान तथा वातावरण जैसे विषयों से भी जोड़ा जाएगा।
- जैसे वातावरण में बहुत से तत्व शामिल होते हैं।
- रक्त प्रवाह बढ़ने से बाजार की मृत्यु हो गई।

छात्र सहभागिता

- अभ्यास कार्य करते हुए छात्र अपनी रचनात्मकता का विकास करेंगे

Scanned with CamS

|अपनी तरफ से उदाहरण देते हुए अपनी सोचने और विचार करने की शक्ति को दर्शा एंगेअपनी आशंकाओं का निवारण करते हुए उक्त विषय को अच्छी तरह से समझने का प्रयास करेंगे| विषय संबंधी की दी गई गतिविधि को करेंगे|

सह शैक्षिक गतिविधि

- अभिनय करना
- वाक्य विचार के सभी भेदों को छात्रों में बांट दिया जाएगा और एक अध्यापिका के रूप में अभिनय करते हुए उन्हें कक्षा के अन्य छात्रों को विषय समझाने के लिए कहा जाएगा इससे उनकी दोहराई भी हो जाएगी और वे विषय को अच्छी तरह से समझ सकेंगे|

पुनरावृति

- रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद होते हैं?
- अर्थ के आधार पर वाक्य के भेदों के नाम बताओ|
- क्या हम सरल वाक्य को संयुक्त में बदल सकते हैं?
- राधा नहा कर सो गई का संयुक्त वाक्य क्या होगा?

Scanned with CamS

- 'वह कक्षा में प्रथम आया क्योंकि वह बहुत मेहनती था। 'इस वाक्य का सरल वाक्य क्या होगा?

शिक्षण के प्रतिफल

- छात्र वाक्य और उसके भेदों को अच्छी तरह से समझ जाएंगे तथा सरल से संयुक्त और संयोग से सरल वाक्य बनाना सीख जाएंगे वह अर्थ के आधार पर वाक्य के आठों भेदों को अच्छी तरह से समझ जाएंगे। छात्र सार्थक वाक्य रचना करने में निपुण हो जाएंगे और वाक्यों को उनके भेदों के आधार पर नामांकित कर सकेंगे।

मूल्यांकन

- अभ्यास पत्रिका ,कक्षा परीक्षा , मौखिक तथा लिखित रूप में छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

विषय हिंदी

उप विषय। अलंकार

शिक्षण उद्देश्य

- भाषा में सौंदर्य उत्पन्न करने वाले विशेष तत्वों का ज्ञान कराना।
- अलंकार के विषय में जानकारी देना ।
- अलंकार के विविध रूप एवं उनके

Scanned with CamS

उपयोग के विषय में जानकारी देना।

- भाषा में अलंकारों के प्रयोग के महत्व को समझाना
- क्रियात्मक तथा रचनात्मक क्षमता जगाना।

सहायक सामग्री

- विभिन्न काव्य पंक्तियों से सजा चार्ट पेपर, श्यामपट्ट ,चौक ,डस्टर, सी .डी .,प्रोजेक्टर।

पूर्वज्ञान परीक्षा

- आप सुंदर दिखने के लिए किन चीजों का प्रयोग करते हैं?
- क्या आप अलंकार शब्द का अर्थ जानते हैं?
- क्या आप किसी पर्व पर जाते हुए गहने आदि पहनते हैं?
- पूर्व ज्ञान नहीं होने की वजह से छात्रों को शिक्षक द्वारा स्वयं ही विषय ज्ञान करवाया जाएगा।

पद्धति

- काव्य पंक्तियों का वचन तथा पठन तथा कुछ गीतों का गायन।

शिक्षण कार्य

- अलंकार का शाब्दिक अर्थ समझाते हुए भाषा में उनकी महत्वता

Scanned with CamS

समझाई जाएगी तत्पश्चात अलंकार के भी दो शब्द अलंकार तथा अर्थालंकार पर चर्चा की जाएगी ।पाठ का मुखर वाचन करते हुए प्रत्येक भेद के उपदेशों को काव्यात्मक उदाहरणों से समझाया जाएगा। पाठ को रोचक बनाने के लिए बीच-बीच में छात्रों को कुछ गीतों से जोड़ते हुए उन्हें समझाया जाएगा कि इस गीत में कौन से अलंकार का प्रयोग हुआ है।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- उप विषय को गीतों और कविता से जोड़ते हुए छात्रों का संबंध संगीत से जोड़ा जाएगा।इससे छात्रों में विषय की नवीनता का भय खत्म हो जाएगा तथा वे उत्साह पूर्वक कक्षा की गतिविधि में हिस्सा लेंगे।

छात्र सहभागिता

- छात्र कक्षा में समझाएंगे उप विषय को अच्छी तरह से समझेंगे और उससे जुड़े हुए अन्य गीतों और कविताओं को भी कक्षा में गाएंगे ।
- उत्साह पूर्वक गतिविधि में भाग लेंगे।
- अभ्यास कार्य करेंगे।

Scanned with CamS

सह शैक्षिक गतिविधि

उप विषय को गीतों और काव्य गायन के द्वारा संगीत विशेष से जोड़ा जाएगा।

पुनरावृत्ति

- अलंकार का शाब्दिक अर्थ क्या है ?
- अलंकार के कितने भेद होते हैं ?
- शब्द अलंकार के कितने भेद होते हैं?
- अर्थ अलंकार के कितने भेद होते हैं?

शिक्षण के प्रतिफल

- छात्र अलंकारों का अर्थ समझ जाएंगे
- अलंकार और उसके भेदों की पहचान कर सकेंगे।
- अलंकार के भेद उसे अच्छी तरह से अवगत हो जाएंगे।

मूल्यांकन

अभ्यास पत्रिका ,कक्षा परीक्षा ,मौखिक तथा लिखित रूप से छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

विषय - हिंदी

प्रकरण - सन्देश लेखन

उद्देश्य :- 1. छात्रों की रचनातमक एवं सृजनात्मकता को विकसित करना

Scanned with CamS

2. क्रमबद्धता का ज्ञान देना

3.विषयानुरूप रचना करना

4.संक्षेप में लिखने का अभ्यास करना

5. भाषा- शैली में विस्तार करना

पूर्व ज्ञान परीक्षण :- यह पूर्वानुमान है की छात्रों को भाषा का सामान्य ज्ञान है और प्राचीन सन्देश सूत्रों का कुछ ज्ञान है ।उसने इस संबंधी कुछ प्रश्न पूछे जाएँगे :-

1. सन्देश क्या होता है ?
2. प्राचीन काल में सन्देश भेजने के क्या-क्या ढंग अपनाए जाते थे ?
3. सन्देश किसे भेजा जाता है ?
4. क्या सन्देश सामूहिक भी हो सकती है ?

Scanned with CamS

सहायक सामग्री :-

श्यामपट्ट , झाडन, फ्लैश कार्ड , व्याकरण पुस्तक आदि

शिक्षण कार्य विधि :- छात्रों को समझाया जाएगा की सन्देश एक छोटी सी जानकारी होती है जो किसी ऐसे व्यक्ति के लिए लिखी जाती जिसे आप किसी कारण से मिलने या बोलने में असमर्थ होते हैं ।इसके लिए कुछ विशेष तत्वों का जानना आवश्यक है -

- विषय से सम्बद्धता
- संक्षिप्त और सारगर्भित
- भाषायी दक्षता एवं प्रभावी प्रस्तुति
- रचनात्मकता/ सृजनात्मकता

आवश्यक बिंदु :- 1. बॉक्स बनाएँ

2. बायीं ओर दिनांक तथा दाई ओर समय लिखें

Scanned with CamS

3. इसके बाद अगली पंक्ति में संबोधन दें

4. यदि बधाई या शुभ कामना सन्देश है तो संबोधन के बाद बहुत-बहुत बधाई , हार्दिक शुभकामनाएं लिख दें , यदि सन्देश किसी बात की सूचना तक सीमित है तो विषयवस्तु आरंभ कर दें

5. विषयवस्तु (विषय के पूर्णत: अनुकूल 20-25 शब्द)

(विषय देखकर विषयवस्तु के अंत में 'एक बार पुन: हार्दिक शुभकामनाएं' लिखा जा सकता है

5. प्रश्न में नाम दिए जाने पर वह नाम, अन्यथा क ख ग लिखें

क्या लिखना आवश्यक नहीं ?

- संबोधन के साथ अभिवादन आवश्यक नहीं
- स्थान और विषय का उल्लेख

Scanned with CamS

आवश्यक नहीं

- अंत में आपका पुत्र , तुम्हारा मित्र न लिखकर सीधे क ख ग / a ब स या प्रश्न में दिया गया नाम लिख दें
- छात्र सहभागिता :- छात्र सन्देश लेखन के तत्वों तथा ध्यान देने योग्य बातों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करेंगे तथा दिए गये विषय पर सन्देश लिखने का प्रयास करेंगे

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :- छात्र सामाजिक शिक्षा, वातावरण शास्त्र , सामजिक शास्त्र , मनोविज्ञान के अतिरिक्त धार्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक पर्व-त्योहारों की जानकारी हासिल करेंगे

सीखने के प्रतिफल :- 1. भाषा शैली के अनुरूप ज्ञान

2. कम से कम शब्दों में

Scanned with CamS

अधिक बात कहना /लिखना

3. विभिन्न विषयों का सामयिक ज्ञान

4. आत्म -चिंतन एवं आत्मविश्वास में बढ़ावा

पुनरावृत्ति :- 1. अपने भाई के जन्मदिन पर शुभकामना कैसे भेजेंगे ?

2. अपनी माता जी को मातृत्व -दिवस पर सन्देश में क्या नारा/कविता लिखेंगे /

3. 15 अगस्त पर अपने मित्र को सन्देश लिखिए

मूल्यांकन :-दिए गाये विषयों पर छात्रों द्वारा लिखे संदेशों का मूल्यांकन करके उसके प्रारूप अथवा विषयवस्तु की त्रुटियों का ज्ञान करवाया जाएगा

विषय वस्तु- लेखन

प्रकरण - पत्र लेखन

Scanned with CamS

उद्देश्य:- 1. विद्यार्थियों के शब्द भंडार में वृद्धि करना

2. मातृभाषा और उसके साहित्य के प्रति रूचि जागृत करना

3. छात्रों की कल्पना शक्ति का विकास करना

4. पत्र लेखन की योग्यता का प्राप्त करना

5. पत्र में अपनी बात को विषयानुरूप प्रयोग के साथ संक्षेप में लिखने की योग्यता का विस्तार करना

पूर्व ज्ञान परीक्षण:- 1. क्या आप जानते हैं पुराने समय में सन्देश भेजने की कौन-कौन सी विविधियाँ थीं?

2. आप किसी को सन्देश (आजकल)किस प्रकार भेजते हैं ?

3. क्या आपने किसी को पत्र

Scanned with CamS

लिखा है ?

संसाधन /विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किया गए अभिनव ढंग ;- स्मार्ट बोर्ड, श्यामपट्ट, झाड़न,चॉक,फ्लैश कार्ड ,व्याकरण पुस्तक आदि

कार्य प्रणाली:- छात्रों को पत्र लेखन का महत्त्व समझाया जायेगा कि चाहे इन्टरनेट के वर्तमान युग में एक सीमा तक पत्रों का चलन कम हुआ है, किन्तु आज भी समाज के सभी वर्गों के लिए लोग पत्र व्यवहार करते हैं ।विभिन्न कार्यालयों में तो पत्र व्यवहार अति आवश्यक है । पत्र लिखते समय जिन बातों का ध्यान रखना चाहिए ,उनकी जानकारी छात्रों को प्रदान की जाएगी । पत्र के प्रकार बताये हुए पत्रों को दो भागों में बांटा जाने के बारे में बताया

Scanned with CamS

जाएगा :-

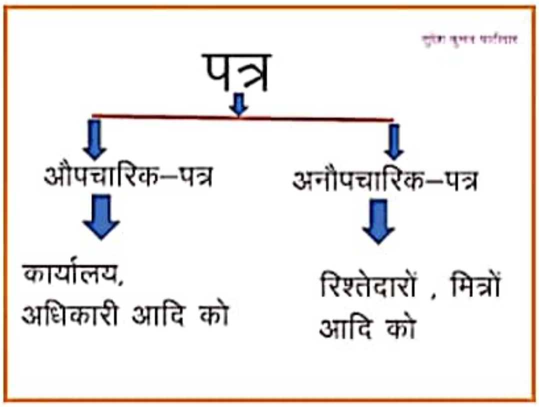

संबंध	प्रारंभ	अभिवादन	स्वनिर्देश
1. माता-पिता, शिक्षक, दादा, चाचा, अन्य बड़े	पूज्य, पूजनीय, श्रद्धेय, आदरणीय	सादर प्रणाम, सादर नमस्ते, सादर चरण स्पर्श	आपका प्रिय पुत्र, आपका आज्ञाकारी शिष्य, स्नेहाकांक्षी आदि।
2. बराबर वालों के लिए	मित्रवर, प्रिय, मित्र, प्रिय बंधु	नमस्ते, नमस्कार	तुम्हारा अभिन्न मित्र, तुम्हारा प्रिय मित्र
3. अपने से छोटों के लिए	प्रिय अनुज, प्रिय......	शुभाशीष, प्रसन्न रहो, चिरंजीव रहो	तुम्हारा शुभचिंतक, हितैषी, स्नेही आदि।
4. महान लोगों के लिए	आदरणीय, मान्यवर, माननीय	—	भवदीय, विनीत, प्रार्थी आदि।
5. औपचारिक पत्रों में	श्रीमान जी, महोदय, मान्यवर	—	भवदीय, आपका आदि।

छात्र सहभागिता :- छात्र औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप के बारे में जानेंगे तथा लिखित अभ्यास द्वारा उस जानकारी को पुष्ट करेंगे ।अभ्यास- पुस्तक तथा स्मार्ट बोर्ड में दिए गाये पत्रों के उदाहरणों का अभ्यास करेंगे ।छात्र एक पत्र अपने सहपाठी को लिखेंगे जिसमें कोरोना के दौरान शिक्षा की स्थिति का वर्णन किया गया हो ।

सह शैक्षिक गतिविधियाँ:-
छात्रों को सर्वेक्षण के लिए डाकघर की विभिन्न प्रक्रियाओं को जानने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा जिसके लिए वे उसकी वेबसाइट से या दफ्तर

Scanned with CamS

को जानने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा जिसके लिए वे उसकी वेबसाइट से या दफ्तर में जाकर अनुभव प्राप्त कर सकते हैं ।

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :- भाषा विस्तार के साथ-साथ सामाजिक -शास्त्र, भूगोल ,इतिहास , मनोविज्ञान आदि कई विषयों के साथ तारतम्य स्थापित किया जाएगा ।

सीखने के प्रतिफल :- छात्र पत्र-लेखन के द्वारा भाषा के विभिन्न पहलुओं के बारे में सीखेंगे , जैसे -सरलता, स्पष्टता, निश्यात्मकता, संक्षिप्तता, मौलिकता एवं उद्देश्यपूर्णता आदि ।

योग्यता विस्तार कार्य :- छात्रों से पत्रों के प्रारूप लिखवा कर पूछे जाएँगे जिससे उनका अभ्यास होगा --

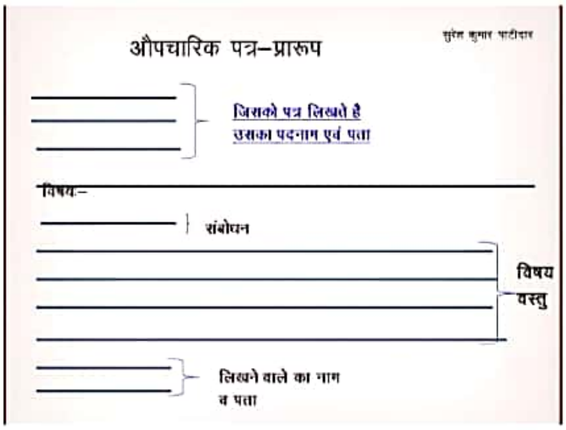

Scanned with CamS

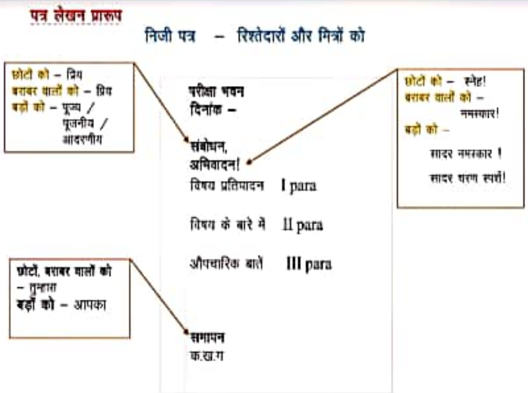

सहायक शिक्षण सामग्री:-

विभिन्न प्रकार के पत्र ,
लिफ़ाफ़ा , अंतर्देशीय,
पोस्टकार्ड अदि कक्षा में
दिखाए जाएँगे

मूल्यांकन :- हिंदी व्याकरण में दिए कुछ औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्रों को अभ्यास के लिए दिया जाएगा -जैसे

--बैंक के प्रबंधक को पत्र लिखिए जिसमें ए.टी.एम्.के अभी तक जारी ना होने की शिकायत हो

--अपनी माता जी के स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए पिताजी को पत्र लिखिए

-इकाई परीक्षा

--परियोजना कार्य

-गृह कार्य

विषयवस्तु- व्याकरण

प्रकरण - समास

उद्देश्य :- 1.छात्रों को व्याकरण का ज्ञान कराना ।

2. सामासिक शब्दों

Scanned with CamS

की पहचान कराना ।

3. भाषा में संक्षिप्तीकरण का ज्ञान कराना ।

4. भाषा को आकर्षक और रोचक बनाना ।

पूर्व ज्ञान परीक्षा :- यह पूर्वानुमान है कि छात्र वाक्यांशों के लिए एक शब्द बनाना जानते हैं , अतः उनसे पुछा जायेगा -

-'राह के लिए खर्च ' के लिए एक शब्द बताएं ।

-'घुड़दौड़' शब्द में किन दो सम्पूर्ण शब्दों का प्रयोग हुआ है ?

-'नीलकंठ' शब्द का क्या अर्थ है? यह विशेष तौर से किसके लिए प्रयोग किया जाता है ?

संसाधन /विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किया गए अभिनव ढंग ;- स्मार्ट बोर्ड, श्यामपट्ट, झाड़न,चॉक,फ्लैश कार्ड ,व्याकरण पुस्तक आदि ,लिंक -- https:/youtu.be/plXGAbMzobu।

कार्य प्रणाली :- छात्रों के समक्ष कुछ शब्द बोल कर उनके अर्थ स्पष्ट करते हुए उन्हें विग्रह करके बताया

Scanned with CamS

जायेगा , जिससे उन्हें पूर्वपद तथा उत्तरपद के बारे में बताते हुए समास ,समस्त पद तथा उनके विग्रह के बारे में विस्तार से समझाया जाएगा ।इसके पश्चात् स्मार्ट बोर्ड , श्यामपट्ट तथा व्याकरण पुस्तक की सहायता से उन्हें इसके समस्त भेदों की जानकारी दी जाएगी

शब्द समूह	**पूर्व पद**	**उत्तर पद**	**समस्त**
हाथ से लिया हुआ	हस्त	लिखित	हस्तलिखि
रसोई के लिए घर	रसोई	घर	रसोईघर
नीला है जो गगन	नील	गगन	नीलगगन
पाँच वटों का समूह	पंच	वटी	पंचवटी
मृत्यु तक	आ	मरण	आमरण

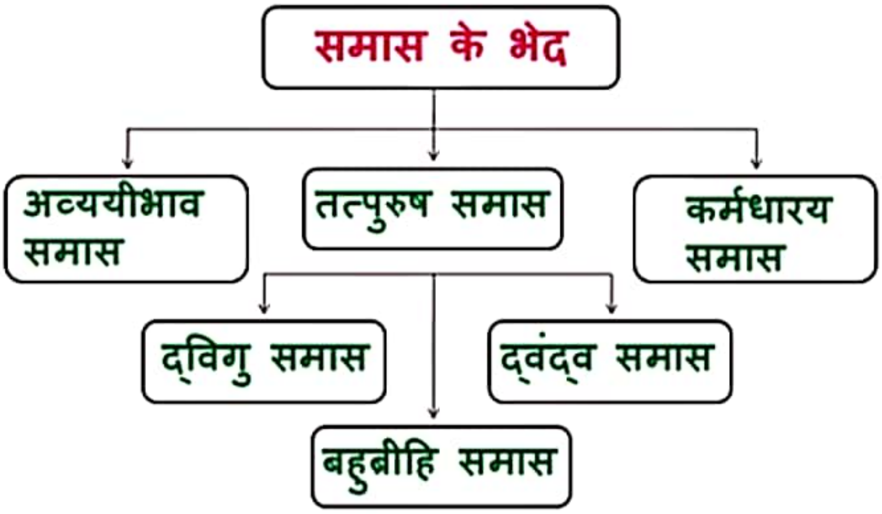

छात्र सहभागिता :-

अध्यापिका द्वारा दी गई जानकारी को छात्र ध्यान से सुनेंगे तथा उदाहरणों द्वारा ज्ञान की पुष्टि करेंगे । स्वयं लिखित रूप से अभ्यास करेंगे । फ़्लैश कार्ड के माध्यम से छात्र समास के भेड़ों , समस्त पद एवं विग्रह का अभ्यास करेंगे ।

Scanned with CamS

सह शैक्षिक गतिविधियाँ :- छात्र किसी पाठ में से चुनकर कुछ समस्त्पदों की सूची बनायेंगे तथा उसका समास विग्रह कर उनके भेदों के नाम लिखेंगे ,साथ ही उन्हें खेल खिलाया जायेगा जिसमें छात्रों को समूहों में विभाजित करके विभिन्न भेदों के शब्द बाँट दिए जायेंगे ; अध्यापिका के शब्दांश बोलने पर पूर्वपद तथा उत्तरपद लिए हुए छात्र आगे आएंगे तथा समस्तपद बनायेंगे ।

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :- समास के भेदों का चार्ट बनाने तथा उनके चित्र बनाने में उनकी चित्रकला का विकास होगा । इसके अतिरिक्त कंप्यूटर ,कविता लेखन आदि विषयों के ज्ञान के साथ भी जोड़ा जा सकता है ।एक कविता के माध्यम से भी समास के भेड़ों की पहचान करवाई जा सकती है :-

दवंद्व में और छिपे
द्विगु में पहला गणना पद आवत है

बीच में कारक चिह्न छिपे
तत्पुरुष समास कहावत है

पहला पद
अव्यय.अव्ययी भाव

Scanned with CamS

बहुव्रीहि में अन्य प्रधानत है

पहला पद जाने विशेषण है

कर्मधारय नाम कहावत है

पुनरावृत्ति :- 1. समस्त पद किसे कहते है ?

2. कर्मधारय तथा बहुव्रीहि में क्या अंतर है?

3. 'यथाशक्ति' शब्द का समास-विग्रह करो

4. जिस समस्तपद का पहला पद संख्यावाची हो, उसे क्या कहते है?

सीखने के प्रतिफल :- छात्र शब्दांशों को एक शब्दों में कहना सीखेंगे । समास के सभी भेदों की पहचान तथा उनके प्रयोग का अभ्यास करेंगे ।

मूल्यांकन :- छात्रों की जानकारी का मूल्यांकन करने के लिए उन्हें गृह कार्य में व्याकरण पुस्तक का अभ्यास कार्य करने को दिया जाएगा ।इसके अतिरिक्त कक्षा में परीक्षा ली जाएगी ।

(*i*) महान है आत्मा	....	....
(*ii*) आठ सिद्धियों का समूह	....	....
(*iii*) शक्ति के अनुसार	....	....
(*iv*) आज्ञा के अनुसार	....	....
(*v*) गुरु के लिए दक्षिणा	....	....
(*vi*) तुलसी के द्वारा कृत	....	....

Scanned with CamS

(*vii*) जितना शीघ्र हो सके ....

(*viii*) दशआनन है जिसके अर्थात् रावण ....

(*ix*) रात और दिन ....

(*x*) तीन फलों का समूह ....

विषय वस्तु- व्याकरण

प्रकरण - संधि

उद्देश्य :- 1. छात्र संधि युक्त कठिन शब्दों का प्रत्यभिज्ञान व् प्रत्यास्मरण करेंगे ।

2. भाषा के नए रूप एवं शब्दावली को सीखेंगे ।

3. छात्र संधि शब्दों को शुद्ध लिखने का प्रयास करेंगे तथा दैनिक जीवन में उसका उपयोग सीखेंगे । 4. छात्र मौखिक रूप से उसके नियम समझ कर प्रयोग कर पाएंगे ।

Scanned with CamS

पूर्व ज्ञान परीक्षण :-1. हिंदी भाषा में स्वर कितने के होते हैं?

2. 'क' किस वर्ण से मिलकर बना है ?

3. 'देवालय' शब्द में किन दो शब्दों की ध्वनि सुनाई दे रही है?

4. संधि का शाब्दिक अर्थ क्या है ?

संसाधन /विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किया गए अभिनव ढंग ;- स्मार्ट बोर्ड, श्यामपट्ट, झाड़न,चॉक,फ्लैश कार्ड ,व्याकरण पुस्तक आदि ,लिंकhttps://www.youtube.com/watch?v=eeX52AdiiAw ।

कार्य प्रणाली :- छात्रों को संधि का शाब्दिक अर्थ समझाया जायेगा : दो शब्दों की क्रमशः अंतिम और प्रथम ध्वनि के मेल से नया स्वर बनता है उसे ही स्वर संधि कहते हैं ।स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से संधि की परिभाषा तथा स्वर संधि के भेद स समझाए जायेंगे तथा श्यामपट्ट के माध्यम से उसके नियमों की जानकारी दी जायेगी ।

स्वर संधि

Scanned with CamS

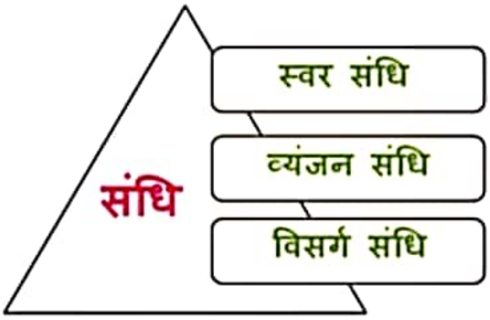

छात्र सहभागिता :-
अध्यापिका द्वारा दी गई जानकारी को छात्र ध्यान से सुनेंगे तथा उदाहरणों द्वारा ज्ञान की पुष्टि करेंगे । स्वयं लिखित रूप से अभ्यास करेंगे । फ़्लैश कार्ड के माध्यम से छात्र स्वर संधि के भेदों के नियमों का अभ्यास करेंगे ।

सह शैक्षिक गतिविधियाँ :-
छात्र अपनी पुस्तक में से कुछ ऐसे शब्द चुनकर लिखेंगे जो दो स्वरों के मेल से बने हों । उनका संधि विच्छेद करने का अभ्यास करेंगे । इसके नियमों से सम्बंधित चार्ट बनायेंगे तथा इसकी एक पी.पी.टी. भी तैयार करेंगे ।

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :- स्वर संधि के भेदों का चार्ट बनाने तथा उनके चित्र बनाने में उनकी चित्रकला का विकास होगा । इसके अतिरिक्त कंप्यूटर ,गणित, आदि विषयों के ज्ञान के साथ भी जोड़ा जा सकता है

पुनरावृत्ति:- 1. स्वर संधि किसे कहते हैं ?

Scanned with CamS

अध्यापक द्वारा ककषा में बताया जाएगा के नारा कसिी वशिष सदि्धांत पकष या दल के संदरभ में वचिार या उद्देशय को तरीके से अभवि्यकत करने वाला तथा तुकान्त युक्त एक आदर्श वाक्य या सूक्ति है जो लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए लिखी जाती है। नारा लेखन एक कला है जो पुराने समय से प्रयोग किया जा रहा है।कुछ नारा लेखन की उदाहरण इस प्रकार हैं

-
- छात्र सहभागिता:

छात्र नारा लेखन की जानकारी प्राप्त करने के बाद कक्षा में रंगीन पेजों के ऊपर नारे लिखने की कोशिश करेंगे और नारा लिखते समय उसमें हास्य कविता का भी प्रयोग कर सकते हैं और उनको यह भी पता चलेगा कि नारा लेखन एक आकर्षक होना चाहिए और इसमें तुकांत शब्द का प्रयोग करना जरूरी है।

- पुनरावृत्ति:

नारा लेखन कैसे लखिा जाता है?
स्वतंत्रता के आधार पर कोई एक नारा लेखन लखिए।
राजनीतिक पार्टी पर एक नारा लेखन
लिखें।

- ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण:

छात्र नारों की जानकारी प्राप्त करने के बाद उसको अपनी कार्य पुस्तिका में उतारेंगे रंगीन पेजों की मदद लेंगे बाहरी लोगों के विचारों को लिखने की कोशिश करेंगे इस प्रकार उनके अंदर चित्रकला का विकास होगा और बड़ी सूझबूझ के कारण उनकी मानसिकता शक्ति

Scanned with CamS

बढ़ेगी। छात्रों के अंदर नैतिक मूल्यों का विकास होगा।

- मूल्यांकन:

छात्रों को कुछ उदाहरण देकर नारों के प्रकार पूछे जाएंगे तथा उन्हें कक्षा परीक्षा में कुछ नाम देकर उदाहरण लिखने को बोला जाएगा इस प्रकार उनका मूल्यांकन कक्षा में किया जाएगा।

- अव्वय:
- शिक्षण उद्देश्य:

6. छात्रों को वकिारी तथा अवकिारी शब्दों से परचिति करवाना।
7. छात्रों को वस्मियादबोधक अव्यय के बारे में बताना।
8. क्रिया विशेषण के चारों भेदों की जानकारी प्रदान करना।
9. समुच्चयबोधक की जानकारी प्रदान करना।

- पूर्व ज्ञान परीक्षा:

10. क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्या कहलाते हैं?
11. जिन शब्दों में कारक लिंग वचन आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता उन्हें क्या कहते हैं?
12. क्रिया विशेषण के कितने भेद हैं?

- वर्तनी:

क्रिया विशेषण,
कालवाचक ,संबंधबोधक
परिमाणवाचक।

- विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंग: शयामपटट, झाडन, कुछ बच्चों द्वारा बनाएं हुए फ्लैश कार्ड, समाट क्लास
- कार्यप्रणाली:
- अध्यापिका अध्यापिका बच्चों को क्रिया विशेषण की परिभाषा बता कर उनके भेदों की जानकारी देगी कुछ बच्चों को अपने पास बुला कर

Scanned with CamS

कुछ बच्चों को अपने पास बुला कर अपनी बातें सुनने को कहेगी अगर वह बच्चे उनकी बातें ध्यान से सुनेंगे तो अध्यापिका द्वारा बताया जाएगा कि यह रितिवाचक क्रिया विशेषण है इसी प्रकार बाकी क्रियाविशेषण भेदों की जानकारी भी अध्यापिका द्वारा कक्षा में उदाहरण सहित दी जाएगी। क्रिया विशेषण के चार भेद इस प्रकार है।

- छात्र सहभागिता:
 छात्र क्रिया वशिषण और उसके भेदों की जानकारी प्राप्त करने के बाद उसे अपनी उत्तर पुस्तकि में लखिंगे तथा क्रयिा वशिषण पर एक चारट तैयार करेंगे जसिमें चारों भेदों को उदाहरण सहति लखिा होगा और इस चारट के द्वारा वह कक्षा में एक गतविधि भी करेंगे जसि प्रकार उनको क्रयिा वशिषण की पूरी जानकारी मलि जाएगी ।
- पुनरावृति:

- क्रिया विशेषण के कितने भेद हैं?
- कालवाचक क्रिया विशेषण की एक उदाहरण दें।
- थोड़ा-थोड़ा शब्द क्रिया विशेषण का कौन सा भेद है?

- ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण:

 क्रिया विशेषण को समझते हुए इसके आधार पर एक गतिविधि तैयार करेंगे जिससे उनमें अभिनय कला का विकास होगा और कुछ छात्र इसके भेदों का एक सुंदर सा चार्ट तैयार करेंगे जिससे उनके अंदर चित्रकला का भी विकास होगा।
- सीखने का प्रतिफल:
 क्रिया विशेषण की जानकारी समझने के बाद उसके भेदों को एक चार्ट पर लिखेंगे तथा अपनी पुस्तिका पर भी उतारेंगे इस प्रकार इसके बारे में कक्षा में चर्चा करेंगे और उदाहरण सहित लिखने का प्रयास

Scanned with CamS

करेंगे।

- मूल्यांकन:
  छात्रों का कई विधियों द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा

13. कक्षा परीक्षा
14. अभ्यास पत्रिका के प्रश्न उत्तर
15. गृह कार्य

- कारक
- शिक्षण उद्देश्य
  छात्रों को कारक की पूर्ण जानकारी दी जाएगी और उनको यह भी बताया जाएगा कि कारक कितने प्रकार के होते हैं कारक की परिभाषा क्या है और कारक को प्रकट करने के लिए प्रयुक्त चिन्ह को कारक चिन्ह कहते हैं इन्हें परसर्ग भी कहते हैं यह सारी जानकारी उनको कक्षा में दी जाएगी ।
- पूर्व ज्ञान परीक्षा

16. क्या आपको पता है कि दीवार बनाते समय ईट किस से जोड़ी जाती है।
17. राधा मोहन मारा यह वाक्य क्या अपने आप में पूरा है इसे पूरा करने के लिए हम क्या जोड़ेंगे।
18. वाक्य में जुड़े हुए में को क्या कहते हैं?

- शब्द प्रारूप:
  कर्म, कता,अधिकरण ,संप्रदान, संबंध आदि

- विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले ढंग:
  व्याकरण पुस्तक स्मार्ट बोर्ड चार्ट श्यामपट्ट तथा झाडन आदि ।
- कार्यप्रणाली:
  छात्रों को कारक की परिभाषा समझा कर उसके चिन्हों की जानकारी दी जाएगी वाक्य में कारक चिन्हों के महत्व एवं आवश्यकता पर बल दिया जाएगा सभी चिन्हों को उदाहरण सहित समझाएं आ जाएगा।

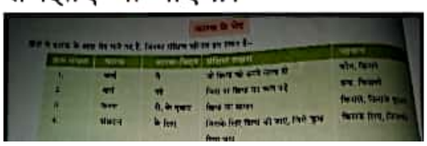

Scanned with CamS

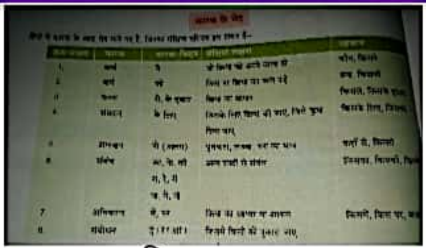

- छात्र सहभागिता:

  कारक को समझकर छात्र उसके भेदों के नाम एक कविता के रूप में याद करेंगे ।वाक्य को शुद्ध रूप से लिखने का ढंग सीखेंगे ।अपनी कार्यपुस्तिका पर कारक के भेदों की एक तालिका भी बनाएँगे ।

- पुनरावृत्ति:
  1 कारक चिन्ह को क्या कहते हैं?
  2 कारक के भेदो के नाम बताएं?
  3 कर्ता कारक किसे कहते हैं?
  4(में)चिन्ह किस कारक का है?
- ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण:

- छात्र कारक को समझने के बाद जब उसको गाएंगे तो उनमें एक गायन कला का विकास होगा इसी प्रकार जब छात्र कारक के भेदों का एक चार्ट तैयार करेंगे उनके अंदर चित्रकला का विकास होगा।
- मूल्यांकन: कक्षा में कारक को कविता के रूप में गिराया जाएगा । कारक के चिन्ह का चार्ट बनवाया जाएगा।
  कक्षा में एक परीक्षा ली जाएगी । अभ्यास पत्रिका को हल करने के लिए कहा जाएगा।

- विलोम शब्द
- शिक्षण उद्देश्य
  1 विषय के प्रति रुचि पैदा करें
  2 बच्चों का विलोम शब्द क्या होते हैं जानकारी प्रदान करना
  3 बच्चों को व्याकरण के माध्यम से ही विलोम शब्दों का प्रयोग

Scanned with CamS

करना सिखाना।
4 छात्रों की मानसिकता को बढ़ाना

- पूर्व ज्ञान परीक्षा

19. बच्चे रात के बाद क्या आता है
20. बच्चा दिन के बाद क्या आता है
21. इस प्रकार बच्चे विलोम शब्द लिखना और पढ़ना सीख जाएंगे

- कार्यप्रणाली: छात्रों को पूर्व ज्ञान परीक्षा के बाद उनसे कुछ विलोम शब्द पूछे जाएंगे जिनसे कक्षा में चर्चा भी की जाएगी कक्षा में 1 शब्द बना दिए जाएंगे तथा दूसरी तरफ उत्तर वाले शब्द के रूप में बच्चों को खड़ा करके बच्चों में विलोम शब्द का आदान प्रदान किया जाएगा
- छात्र सहभागिता: अध्यापक बच्चों को विलोम शब्द की परिभाषा बताइए तथा कुछ मुश्किल शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे छात्र इस के शब्दों को ध्यान पूर्वक सुनेंगे तथा देखेंगे बाद में श्यामपट्ट पर लिखे हुए शब्दों को अपनी उत्तर पुस्तिका पर उतारेंगे।
- पुनरावृति:
  कक्षा में पुनरावृत्ति के लिए बच्चों से कुछ प्रश्न किए जाएंगे जैसे शत्रु का विलोम शब्द क्या है लाभ का विलोम शब्द क्या है अपराधी का विलोम शब्द क्या है इस प्रकार उत्तर देने पर बच्चों को संतुष्टि होगी और अध्यापक द्वारा पढ़ाया हुआ पाठ उनकी समझ में आ जाएगा।
- ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरणो: छात्रों को विलोम शब्द रंगीन पेन से लिखने को कहा जाएगा जिससे उनमें चित्रकला का विकास होगा तथा उनकी लेखन कला का भी विकास होगा ।
- सह शैक्षिक गतिविधि:

22. छात्र फ्लैश कार्ड बनाकर विलोम शब्द की गतिविधि कक्षा में करेंगे
23. छात्र एक तरफ में प्रश्न के रूप में तथा कुछ छात्र दूसरी तरफ उत्तर के रूप में खड़े होकर गतिविधि करेंगे
24. प्रश्न वाले अपना हाथ खड़ा करके शब्द बोलेंगे और उत्तर वाले उसका सही उत्तर बताते हुए इकट्ठे हो जाएंगे इस प्रकार कक्षा में विलोम शब्द कर दिए जाएंगे।

- मूल्यांकन
  व्याकरण में से कुछ शब्द पूछकर

Scanned with CamS

विलोम शब्द करवाए जाएंगे तथा गतिविधि के आधार पर भी मूल्यांकन किया जाएगा और एक छोटी सी कुछ शब्दों की परीक्षा लेकर उनका मूल्यांकन किया जाएगा ।

Scanned with CamS

- उप विषय : क्रिया
- शिक्षण उद्देश्य
  1. छात्रों को क्रिया के बारे में समझाया जाएगा
  2. छात्र क्रिया के बारे में जान सकेंगे
  3. क्रिया के प्रकारों के बारे में जानेंगे
  4. छात्र क्रिया को उत्साह पूर्वक समझेंगे
- पूर्व ज्ञान परीक्षा:
  1. आप इसके बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं छात्रों को कुछ उदाहरण देकर प्रश्न पूछे जाएंगे
  2. राधा नाच रहे हैं इस वाक्य में कौन सी क्रिया का प्रयोग किया गया है
  3. छात्रों को बताया जाएगा जिस

Scanned with CamS

शब्द से कुछ करने या होने का पता चले उसे हम क्रि या कहते हैं।

- विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंग:

1. श्यामपट्ट , व्याकरण पुस्तक, तथा फ्लैश कार्ड आदि ।

- कार्यप्रणाली:
- 1 छात्रों के समक्ष कुछ वाक्य बोल कर उनको किया की पहचान करवाई जाएगी उन्हें यह भी बताया जाएगा केक्रिया दो प्रकार की होती है अकर्मक सकर्मक जिस वाक्य में क्रिया का प्रभाव करता पर न पड कर कर्म पर पड़े उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं जैसे मां स्वेटर बुन रही है तो इसमें माँ क्या कर रही है स्वेटर बुन रही है तो

Scanned with CamS

इसमें सर्वेटर करम है जिससे पता चलता है कि यह सकर्मक क्रिया है।

- छात्र सहभागिता:

1 अध्यापिका छात्रों को क्रिया के भेद बताते हुए उन्हें कुछ उदाहरण बोलने को कहेगी क्रिया के भेद भी कक्षा में बताएं जाएंगे कि क्रिया दो प्रकार की होती है जिससे बच्चे इसकी जानकारी प्राप्त करते हुए कक्षा में क्रिया के भेद को लिखेंगे तथा वाद-विवाद करेंगे।

2. छात्रों को आक्रमक तथा सकर्मक दो भागों में बांटकर क्रिया को समझाया जाएगा और छात्र इसी गतिविधि से इसे करेंगे।

- पुनरावृति::

1 पुनरावृति के लिए कक्षा में पाठ पर कुछ प्रश्न पूछे जाएंगे

2 क्रिया किसे कहते हैं?

3 क्रिया के कितने भेद होते हैं?

Scanned with CamS

4 अकर्मक क्रिया के उदाहरण दो।

- अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण

1 छात्रों को क्रिया के बारे में समझाते हुए उनको पत्र लेखन भी समझाया जाएगा और इसके अलावा उनमें मानसिक शक्ति का विकास होगा साथ ही वह लेखन कला का भी विकास करेंगे।

- सहस शैक्षिक गतिविधियां;

1 छात्र क्रिया को समझते हुए कक्षा में अकर्मक और सकर्मक भागों में बांटे जाने के बाद अभिनय कला का विकास करेंगे तथा क्रिया की तरह जानकारी प्राप्त करेंगे।

- सीखने का प्रतिफल

1 इस को अपनी आवश्यकता अनुसार लिखेंगे उनको इसके बारे में पूर्ण ज्ञान होगा और भेदो कीकक्षा में चर्चा भी करेंगे।

Scanned with CamS

- मूल्यांकन:

1 पाठ के अभ्यास पत्रिका को कक्षा में हल करेंगे तथा कक्षा में उनसे प्रश्न पूछकर मूल्यांकन किया जाएगा और कक्षा में एक छोटी सी परीक्षा लेकर भी हम बच्चों का मूल्यांकन करेंगे।

उप विषय -प्रत्यय:

शिक्षण उद्देश्य:

1 छात्रों में विषय के प्रति रुचि पैदा करनी

2 बच्चों में नवीन शब्द निर्माण की योग्यता विस्तार करना।

3 बच्चो मे शब्द भंडार की वृद्धि करना।

4 व्याकरण के माध्यम से शुद्ध शब्दों का प्रयोग करना सिखाना।

पूर्व ज्ञान परीक्षा:

1 छात्रों को विद्यालय तथा उसका प्रधान कांड के बारे में बताना।

Scanned with CamS

प्रधान कांड के बारे में बतान।
2 तुमको बताना कि उपसर्ग और प्रत्यय के क्या-क्या मतलब होते हैं
शब्द प्रारूप:
कठिन शब्दों को लिखना तथा प्रत्यय देकर नया शब्द बनाने को बोलन।
वर्तनी:
अजमेरा भरपेट पर कोटा में से प्रत्यय अलग करें
विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंग:
दृश्य श्रव्य साधन ,व्याकरण पुस्तक श्यामपट्ट, वाद विवाद
कार्य प्रणाली: रुको पूर्व ज्ञान से संबंध जोड़ते हुए उन्हें वर्णों के बारे में बताया जाएगा और वर्ण की मदद से वह उपसर्ग और प्रत्यय की जानकारी प्राप्त करेंगे छात्रों को वर्ण से तोड़कर लिखना सिखाया जाएगा

Scanned with CamS

छात्रों को जानकारी देते हुए उनका विच्छेद करना भी सिखाया जाएगा और द्वितीयवयजनो से उनका विच्छेद कैसे होता है इसकी भी जानकारी देंगे।

छात्र सहभागिता:

छात्र अध्यापक की बातों को ध्यान पूर्वक सुनेंगे तथा श्यामपट्ट पर लिखे हुए शब्दों को पुस्तिका पर लिखेंगे उचित शब्द जो उनकी समझ में नहीं आएंगे उनका उत्तर अध्यापक से पूछेंगे उनके प्रश्नों का समाधान अध्यापक द्वारा किया जाएगा।

पुनरावृति:

1 पर्तय किसे कहते हैं ?

2 आई से दो दो शब्द बनाए।

3 रखवाला शब्द से मूल शब्द अलग करें।

जान के अन्य क्षेत्रों के साथ

एकीकरण:

Scanned with CamS

एकीकरण:

छात्र मूल शब्द की पहचान करना सीखेंगे तथा उनमें से मूल शब्द को अलग करेंगे जिससे खेलते खेलते उनमें खेल का फायदा होगा ऐसा करने से खून में चित्रकला का विधाता दरोगा छात्र इन शब्दों का प्रयोग दैनिक जीवन में भी करेंगे।

सह शैक्षिक गतिविधियां:

छात्र फ्लैश कार्ड बना कर इस विषय को अच्छी तरह से समझेंगे कुछ शब्द लिखकर कक्षा में उनके मुंह शब्दों को अलग करने की भी चर्चा करेंगे

सीखने का प्रतिफल:

छात ऐसे शब्दों को अपनी आवश्यकता अनुसार लिखेंगे तथा उनको ज्ञात होगा कि इनका अर्थ कितना जरूरी है कक्षा में 9 शब्दों के आधार पर चर्चा करने तथा उनको

Scanned with CamS

के आधार पर चर्चा करते हुए उनको समझेंगे जैसे एरा से चचेरा शब्द।

मूल्यांकन: कई तरीकों से कक्षा में बच्चों से मूल्यांकन करवाया जाएगा जैसे लावारिस म कई तरीकों से कक्षा में बच्चों से मूल्यांकन करवाया जाएगा जैसे भुलक्कड़ में से मूल शब्द अलग करें।

कक्षा में अभ्यास पत्रिका करने को कहा जाएगा तथा कक्षा परीक्षा भी ली जाएगी।

उपविषय : अनेकार्थक शब्द

शिक्षण उद्देश्य: छात्रों का अनेकार्थी शब्दों के अथ बताना कुछ शब्द उनसे पूछ कर पूछना ताकि पता चल सके उन्हें इसका ज्ञान हुआ या नहीं उन्हें बताना कि इन्हें अनेकार्थक शब्द कहते हैं

पूर्व ज्ञान परीक्षा: अनेकार्थक शब्द से आप क्या समझते हैं

Scanned with CamS

से आप क्या समझते हैं?
कनक शब्द के कोई दो अर्थ बताएं।
 शब्दावली: अनेकार्थक, अलंकार, उपरोक्त
 वर्तनी: अनेकार्थी शब्दों को आराम से समझाया जाएगा ताकि उनको
 पता चले के अनेकार्थक शब्द किसे कहते हैं?
विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंग
व्यापक बच्चों को अलग अलग ढंग से विषय की व्याख्या करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे इसके लिए वह स्मार्ट बोर्ड व्याकरण की पुस्तिका तथा चौक का प्रयोग भी करेंगे बच्चों से गतिविधि करवा कर वह सही और गलत अर्थों में बच्चों को दो गुटों में बांट देंगे।

Scanned with CamS

शिक्षण और गतिविधि:

बच्चों को दो हिस्सों में बांट कर एक को प्रशन और एक को उत्तर बना दिया जाएगा प्रशन वाला गुड हाथ खड़ा करके उत्तर ढूंढने की कोशिश करेगा और उत्तर वाला गोट अपना हाथ खड़ा करके अपने प्रश्न वाले साथी के पास जाकर खड़ा हो जाएगा जिससे उनकी यह गतिविधि हो जाएगी और बच्चे इस प्रश्न को अच्छी तरह से कर पाएंगे।

छात्र सहभागिता:

छात्र अनेक आर्थिक शब्द को रंगीन पहनने से अपनी पुस्तिका पर उतारेंगे और अगर उन्हें किसी प्रश्न में कोई शक हुआ तो वे अध्यापिका से प्रश्न करके उसका सही उत्तर जानने की कोशिश करेंगे जिससे वह स्मार्ट बोर्ड की भी मदद ले सकते हैं

Scanned with CamS

और साथ में रंगीन पेजों द्वारा अनेकार्थी शब्दों का एक गतिविधि के रूप में प्रयोग कर सकते हैं।

पुनरावृति:

अज शब्द के अनेकार्थक शब्द लिखें।

बिजली तथा लक्ष्मी शब्द किसके अनेकार्थी शब्द है?

सुधा शब्द के दो दो अनेकार्थी शब्द बताएं?

सीखने का प्रतिफल: बच्चे अनेकार्थी शब्दों को अच्छी तरह से बोलना सीखे गए तथा उनके अर्थ याद करने का प्रयास करेंगे।

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण:

अनेकार्थी शब्दों की गतिविधि करते हुए अभिनय कला को सीखेंगे। पुस्तिका पर उसको उतारते समय

Scanned with CamS

रंगीन पेजों की मदद से चित्रकला का भी ज्ञान प्राप्त करेंगे।

सह शैक्षिक गतविधि: शब्दों की गतविधि करते हुए बच्चों को ग्रुप में बैठकर इसको समझाने की कोशशि की जाएगी

सीखने का प्रतफिल: 30 शब्दों को बच्चे अपनी शैली में करेंगे।

मूल्याकंन: खेतों की जानकारी का मूल्यांकन करने के लिए उन्हें गृह कार्य में व्याकरण पुस्तिका का अभ्यास करने को दिया जाएगा इसके अतिरिक्त कक्षा में भी परीक्षा ली जाएगी।

उप विषय: मुहावरे

शिक्षण उददेश्य:छात्रों को बताना कि पहले बातों को बढ़ा चढ़ाकर बताया जाता था उन्हीं बातों का ज्ञान करवाना तथा उनके अर्थ बताना

पूर्व ज्ञान परीक्षा: छात्रों को मुहावरों के

Scanned with CamS

पूर्व ज्ञान परीक्षा: छात्रों को मुहावरों के बारे में कुछ प्रश्न किए जाएंगे क्योंकि वे पिछली कक्षा में मुहावरों के अर्थ तथा वाक्य हासिल करके आएंगे जिससे वे इनका
ज्ञान प्राप्त करेंगे।

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग कए जाने वाले ढंग: फ्लैश कार्ड, स्मार्ट बोर्ड ,व्याकरण पुस्तक

शिक्षण कार्य: छात्रों को उनकी पुस्तक में दिए गए मुहावरों के अथ समझा कर उनका व्यवहारिक जीवन में उपयोग करना बताया जाएगा मुहावरों का अपना एक अर्थ होता है मुहावरे आम भाषा में प्रयोग होते होते एक विशेष अर्थ के रूप में प्रयोग होना शुरू हो जाते हैं।

सह शैक्षिक गतिविधि: छात्रों को पुस्तक में दिए गए मुहावरे उनका

Scanned with CamS

अर्थ तथा वाक्य में प्रयोग समझा कर उन्हें याद करने को कहा जाएगा छात्र मुहावरों के अर्थ ग्रहण करने के बाद कक्षा में अभिनय के द्वारा एक ऐसी स्थिति प्रस्तुत करेंगे जहां पर किसी विशेष मुहावरे का प्रयोग हो रहा हो इस गतिविधि के द्वारा छात्र मुहावरों के अर्थ अच्छी तरह समझ जाएंगे और व्यवहारिक जीवन में मुहावरों का प्रयोग कर पाने में सक्षम होंगे।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण: छात्र अभिनय कला तथा सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों से जुड़ेंगे।

छात्र सहभागिता: छात्र मुहावरों को याद करेंगे उनके अर्थ समझेंगे और दी गई गतिविधि को पूरा करेंगे।

अध्यापिका द्वारा दिया गया अभ्यास कार्य तथा मूल्यांकन के लिए दिया

Scanned with CamS

गया कार्य करेंगे। अभिनय करते हुए भाषाई गुणों का विकास करेंगे।

शिक्षण के प्रतिफल: छात्र व्यवहारिक जीवन में मुहावरों का महत्व जान पाएंगे भाषा को मुहावरों के प्रयोग द्वारा आकर्षित बनाना सीख जाएंगे रचनात्मक कला का विकास होगा अभिनय करना सीख जाएंगे शुद्ध उच्चारण करना सीख जाएंगे।

पुनरावृति: मुहावरा किसे कहते हैं
भाषा में इसका क्या महत्व है
मुहावरे तथा लोकोक्ति में क्या अंतर है
अंगूठा दिखाना मुहावरे का क्या अर्थ है?

मूल्यांकन: अभ्यास पत्रिका कारण पत्रिका पुस्तक में दिया गया अभ्यास कार्य कक्षा परीक्षा मौखिक प्रश्न उत्तर

Scanned with CamS

लिखित प्रश्न उत्तर। उपरोक्त सभी माध्यमों द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

Scanned with CamS

उप विषय- सर्वनाम

शिक्षण उद्देश्य

- सर्वनाम की पहचान प्रयोग तथा भेदो की जानकारी प्रदान करना ।
- सर्वनाम शब्दों की वह रचना की जानकारी प्रदान करना ।।
- भाषाई कौशलों का विकास करना भाषा के शुद्ध रूप की जानकारी तथा प्रयोग पर बल देना ।
- सर्वनाम पर आधारित विविध अभ्यास करवाना ।
- दैनिक जीवन में सर्वनाम के उचित प्रयोग को सुदृढ करना।

सहायक सामग्री तथा पद्धति

- श्यामपट्ट ,चौक ,डस्टर ,पुस्तक ,सीडी प्रोजेक्ट ,कंप्यूटर आदि।

पूर्व ज्ञान परीक्षा

- क्या आप जानते हैं कि संज्ञा के स्थान पर भी कुछ और शब्द प्रयोग किए जाते हैं?
- क्या आप जानते हैं कि उन शब्दों को क्या कहते हैं ?
- क्या आप ऐसे कुछ शब्दों का उदाहरण दे सकते हैं?

कार्यप्रणाली

- स्मार्ट बोर्ड पर विषय को दिखाकर छात्रों को ध्यानपूर्वक सुनने के लिए कहा जाएगा ।छात्रों को समझाया जाएगा की संज्ञा के स्थान पर जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है ,उन्हें सर्वनाम कहते हैं ।जैसे - तुम, हमारा ,हमने ,वह ,कोई ,कुछ आदि। सर्वनाम के 6 भेद हैं -निश्चयवाचक ,निश्चयवाचक, पुरुषवाचक, निजवाचक ,प्रश्नवाचक तथा संबंध वाचक। सर्वनाम के सभी भेद उदाहरण सहित समझाए जाएंगे।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- छात्र चित्रकला के साथ जुड़ेंगे।

छात्र सहभागिता

- कक्षा में समझाए जाने वाले विषय को ध्यान पूर्वक सुनेंगे और समझेंगे ।
- हिंदी भाषा में सर्वनाम का सही प्रयोग सीखेंगे ।सर्वनाम के प्रयोग की आवश्यकता को जानेंगे
- विषय संबंधी करवाई जा रही गतिविधि में उत्साह पूर्ण भाग लेंगे और अभ्यास कार्य करेंगे।

सह शैक्षिक गतिविधि

- अध्यापिका कागज के छोटे-छोटे टुकड़ों पर अलग-अलग सर्वनाम शब्द लिखकर एक डिब्बे में डालकर मेज पर रखेगी और छात्रों को बारी-बारी से बुलाकर एक एक टुकड़ा उठाने के लिए कहेगी।कक्षा के अन्य छात्र उस कागज़ के टुकड़े पर लिखे गए सर्वनाम शब्द के भेद की पहचान करने का प्रयास करेंगे।कक्षा के छात्रों में सर्वनाम के वेदों के अनुसार वर्गों में बांट दिया जाएगा और छात्र बताएंगे के चुना गया सर्वनाम शब्द किस वर्ग में आएगा।

पुनरावृति

- संज्ञा के स्थान पर प्रयोग होने वाले शब्द क्या कहलाते हैं ?
- सर्वनाम के कितने भेद हैं ?
- अपना काम स्वयं करो।- इस वाक्य में किस सर्वनाम शब्द का प्रयोग हुआ है?
- आप कब आए ?'आप 'शब्द कौन सा सर्वनाम है?

क्या आप जान गए हैं कि वाक्य में सर्वनाम का प्रयोग क्यों किया जाता है?

शिक्षण के प्रतिफल

- छात्र संज्ञा के स्थान पर सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करते हुए भाषा के सौंदर्य को बढ़ाना सीख जाएंगे।
- वे यह भी जान जाएंगे कि भाषा में सर्वनाम शब्दों का क्या महत्व होता है।
- छात्र सर्वनाम के सभी भेद अच्छी तरह से समझ जाएंगे और व्यवहारिक जीवन में उनका प्रयोग करना भी सीख जाएंगे
- छात्र सर्वनाम शब्दों को सरलता से पहचानने और उनका उचित प्रयोग करने लगेंगे
- छात्र सर्वनाम शब्दों को वेदों के अनुसार नामांकित कर सकेंगे

मूल्यांकन

- गतिविधि ,अभ्यास कार्य ,व्याकरण की पुस्तक में दिया गया अभ्यास कार्य, कार्य पत्रिका ,अभ्यास पत्रिका आदि माध्यमों द्वारा छात्रों का मूल्यांकन करते हुए त्रुटि शोधन किया जाएगा।

Scanned with CamS

उप विषय

संवाद लेखन

शिक्षण उद्देश्य
- छात्रों को आपस में बातचीत करने का सही ढंग सिखाना।
- संवादों को सही ढंग से बोलना तथा लिखना सिखाना भाषा में रुचि उत्पन्न करना।
- व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना ।
- लेखन कला में सुधार करना।
- रचनात्मक कला का विकास करना।

पूर्व ज्ञान परीक्षा
- क्या आप अपनी माता-पिता क्या मित्रों से बातचीत करते हैं?
- क्या आप जानते हैं कि एक व्यक्ति द्वारा कहे गए कथन को क्या कहते हैं?
- क्या आप जानते हैं कि किसी के बीच की बातचीत को लिखा कैसे जाता है?

सहायक सामग्री
- व्याकरण की पुस्तक, कुछ छात्र ,स्मार्ट बोर्ड, एक कहानी की किताब।

पद्धति
- संवाद प्रतियोगिता
- किसी कहानी को संवाद के रूप में प्रस्तुत करना।

शिक्षण कार्य
- छात्रों को संवाद लेखन का सही ढंग बताते हुए कुछ विषय देकर संवाद लिखने के लिए कहा जाएगा उन्हें बताया जाएगा कि संवाद लेखन में विराम चिन्हों का भी विशेष महत्व होता है ।उन्हें समझाया जाएगा कि एक व्यक्ति द्वारा कहा गया कथन संवाद कहलाता है। संवाद हमेशा दो या दो से अधिक लोगों में होता है। संवाद छोटे तथा स्पष्ट होने चाहिए।भाषा के नियमों का पूर्ण रुप से ध्यान रखा जाना चाहिए।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण
- कहानी तथा अकबर और बीरबल के किस्सों के द्वारा छात्र इतिहास के विषय से जुड़ेंगे।
- सामाजिक समस्याओं की चर्चा करते समय वह सामाजिक विज्ञान का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

छात्र सहभागिता
- छात्र दिए गए विषयों पर संवाद लिखेंगे
- अपनी मनपसंद कहानी को संवाद के रुप में प्रस्तुत करेंगे।
- संवाद को लिखने का सही ढंग समझेंगे।
- भाषा में संवाद लेखन का महत्व जानेंगे।

सह शैक्षिक गतिविधि
- छात्रों को किसी विषय पर संवाद के रूप में उनके विचार कक्षा में प्रस्तुत करने के लिए कहा जाएगा
- छात्र पत्र के अनुसार संवाद बोलेंगे।
- कोई कहानी पढ़कर उसे संवाद के रूप में परिवर्तित करके लिखने तथा कक्षा में उसे प्रस्तुत करने के लिए कहा जाएगा।छात्र इसे व्यवहारिक रूप में कक्षा में प्रस्तुत करेंगे।
- विषय में रोचकता लाने के लिए अकबर तथा बीरबल के किसी एक किस्से को संवाद के रूप में कक्षा में छात्रों द्वारा प्रस्तुत करवाया जाएगा।

पुनरावृति
- संवाद कितने लोगों में होता है ?
- संवाद में कौन से गुण होने चाहिए?

शिक्षण के प्रतिफल
- छात्रों की लेखन तथा रचनात्मक कला का विकास होगा।
- मौखिक अभिव्यक्ति का विकास होगा।
- छात्र सही ढंग से संवाद लिखना तथा बोलना सीख जाएंगे।

मूल्यांकन
- अभ्यास कार्य द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा और परखा जाएगा कि उन्हें संवाद लिखना सही ढंग से आया है या नहीं।

Scanned with CamS